पटना ●बुधवार, 20 नवंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः306 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत... 3 www. bordernewsmirror.com तृप्ति डिमरी ने रेड आउटफिट... 7

इंटरनेशनल फ्लाइट को जयपुर में छोड़कर चले गए पायलट

ड्यूटी टाइम पूरा हो गया था, 180 पैसेंजर 9 घंटे तक परेशान होते रहे

जयपुर (एजेंसी)। पेरिस से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट को पायलट जयपुर में छोड़कर चले गए। पायलट का कहना था कि उनके ड्यूटी आवर्स पूरे हो गए हैं। फ्लाइट में सवार 180 से ज्यादा पैसेंजर 9 घंटे तक जयपुर एयरपोर्ट पर परेशान होते रहे। इसके बाद में उन्हें सड़क मार्ग से दिल्ली भेजा गया। पेरिस से दिल्ली आ रहे पैसेंजर अखिलेश खत्री ने बताया- एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-2022 रविवार रात 10 बजे पेरिस से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। इसे सोमवार सुबह 10 :35 बजे दिल्ली पहुंचना था। खराब मौसम की वजह से फ्लाइट दिल्ली लैंड नहीं कर पाई। एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम के निर्देश पर पायलट ने दोपहर 12.10 बजे फ्लाइट को जयपुर एयरपोर्ट पर लैंड करवाया। पायलट एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम से उड़ान के लिए क्लियरेंस मिलने का इंतजार करते रहे। दोपहर तक भी क्लियरेंस नहीं मिला।

म.प्र. में टैक्स फ्री हुई फिल्म द साबरमती रिपोर्ट

सीएम डॉ मोहन यादव ने की घोषणा, पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी कर चुके हैं तारीफ

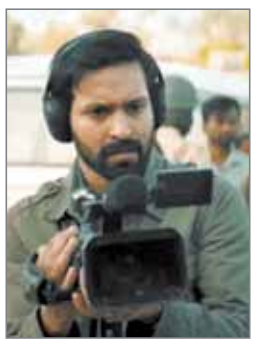

भोपाल (एजेंसी)। 15 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म द साबरमती रिपोर्ट लगातार सुर्खियों में हैं। क्रिटिक्स की तारीफों के बाद अब इस फिल्म को पॉलिटिकल सपोर्ट भी मिल रहा है। हाल ही में इस फिल्म को मध्यप्रदेश में टैक्स फ्री कर दिया है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इसकी घोषणा करते हुए दूसरे नेताओं को भी फिल्म देखने का सुझाव दिया है।

सीएम मोहन यादव फिल्म द साबरमती रिपोर्ट देखने पहुंचे थे। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, हम इस फिल्म को टैक्स फ्री करने जा रहे हैं, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग इस फिल्म को देख सकें। ये अतीत का एक काला अध्याय है जिसकी सच्चाई इस फिल्म को देखने के बाद समझ आती है। इसके साथ ही मोहन यादव ने अपने साथी मंत्रियों और सांसदों से भी फिल्म देखने की अपील की है।

वायनाड की थकान उतारने प्रियंका गांधी वाड्रा पहुंचीं रणथंभौर

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा अपने परिवार के साथ मंगलवार को राजस्थान के रणथंभौर पहुंचीं। यहां वह पांच दिन बिताएंगी और अपने परिवार के साथ टाइगर सफारी का आनंद लेंगी। प्रियंका इससे पहले भी कई बार रणथंभौर आ चुकी हैं और यहां अपना जन्मदिन भी मना चुकी हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार दोपहर करीब 12 :30 बजे अपनी सास मोरिन वाड्रा, पति रॉबर्ट वाड्रा, बेटे रेहान वाड्रा और बेटी मिराया वाड्रा के साथ रणथंभौर पहुंचीं। सभी लोग रणथंभौर के एक पांच सितारा होटल 'शेरबाग' में ठहरे हैं। यहां उनके लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

जोधपुर ब्यूटीशियन हत्याकांड

अनीता चौधरी का अंतिम संस्कार हुआ

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर में ब्यूटीशियन अनीता चौधरी हत्याकांड में 21 दिन बाद बॉडी का अंतिम संस्कार किया गया। मंगलवार दोपहर प्रशासन व परिजनों के बीच सहमति बन गई थी। इसके बाद नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल और सरकार के प्रतिनिधियों ने धरना स्थल तेजा मंदिर पर इसकी जानकारी दी। जिन तीन मांगों पर सहमति बनी है उनमें हत्याकांड की सीबीआई जांच की सिफारिश, अनीता के बेटे को नौकरी और 51 लाख की आर्थिक सहायता शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट हैरान, बेहद विचित्र करार दिया

● पंजाब में 3 हजार निर्विरोध निर्वाचित हो गए पंचायत प्रतिनिधि ● सुप्रीम कोर्ट ने असंतुष्ट उम्मीदवारों को चुनाव याचिका दायर करने की अनुमति दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में हाल में हुए चुनावों में 13 हजार में से 3 हजार पंचायत प्रतिनिधि निर्विरोध चुनाव जीत गए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने भी हैरानी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान इस तथ्य को 'बेहद विचित्र' बताया। इसी के साथ अदालत ने असंतुष्ट उम्मीदवारों को चुनाव याचिका दायर करने की अनुमति दे दी।

चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने कई उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों को खारिज करने और अन्य चुनावी अनियमितता का आरोप लगाने संबंधी याचिका पर पहले नोटिस जारी किए थे। बेंच ने कहा कि पीड़ित व्यक्ति चुनाव आयोग के सामने याचिका दायर कर सकते हैं और आयोग को छह महीने में उन पर फैसला करना होगा।

● **हाई कोर्ट जा सकते हैं असंतुष्ट उम्मीदवार-** शीर्ष अदालत ने कहा कि जिन उम्मीदवारों के नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए या फाड़ दिए गए, वे भी अपनी शिकायतें लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट जा सकते हैं। अदालत ने कहा कि उनकी याचिकाओं को सीमा अवधि के उल्लंघन के आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता। चीफ जस्टिस ने कहा कि याचिकाओं को गुण-दोष के आधार पर निपटाया जाना चाहिए।

● **6 महीने में फैसला करेगा चुनाव आयोग-** आदेश में कहा गया है, हम याचिकाकर्ता को चुनाव याचिका दायर करने की अनुमति देते हैं। राज्य निर्वाचन आयोग छह महीने में याचिकाओं पर फैसला करेगा, देरी होने पर याचिकाकर्ता हाई कोर्ट जा सकते हैं। आदेश में कहा गया है, जिन लोगों के नामांकन खारिज कर दिए गए या कागजात फाड़ दिए गए, वे कानून के अनुसार हाई कोर्ट के सामने समीक्षा याचिका दायर कर सकते हैं... अगर हाई कोर्ट में उनकी याचिका खारिज कर दी जाती है तो याचिकाकर्ताओं को इस अदालत में आने का अधिकार है।

● **चीफ जस्टिस भी रह गए हैरान-** संक्षिप्त सुनवाई के दौरान, जब अदालत को बताया गया कि पंचायत के 13,000 से ज्यादा पदों में से 3,000 पर उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, तो चीफ जस्टिस ने हैरानी जताई। चीफ जस्टिस ने कहा, यह बहुत अजीब है! मैंने ऐसे आंकड़े कभी नहीं देखे... यह बहुत बड़ी संख्या है।

जी20 में पीएम मोदी बोले-

जंग से दुनिया में खाने का संकट

● गरीब देशों पर इसका सबसे ज्यादा असर, बाइडेन, मैक्रों, मेलोनी से मिले

रियो डि जेनेरियो (एजेंसी)। ब्राजील की राजधानी रियो डि जेनेरियो में सोमवार को जी20 समिट के पहले दिन पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड लीडर्स से द्विपक्षीय मुलाकातें की थी। मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों, ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर, इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी, पुर्तगाल के पीएम लुइस मोंटेनेग्रो, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो और नॉर्वे के पीएम जोनास गेर स्टोर से द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत की।

समिट के दौरान पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से भी मिले और उनके बीच अनौपचारिक बातचीत भी हुई। पीएम मोदी ने जी20 समिट के पहले दो सेशन- 'भुखमरी और गरीबी के खिलाफ एकजुटता' और 'सरकारों के कामकाज में सुधार' पर भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने मोदी से मुलाकात के बाद कहा कि अगले साल भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर फिर से बातचीत शुरू की जाएगी।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव पर पैसे बांटने का आरोप, एफआईआर, दावा-5 करोड़ लाए थे

● मुंबई में होटल से 9 लाख मिले; विनोद तावड़े बोले- ये साजिश

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से 1 दिन पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर वोटर्स को पैसे बांटने का आरोप लगा है। चुनाव आयोग ने तावड़े के पास से 9 लाख रुपए और कागजात बरामद किए हैं।

आयोग के अफसरों ने विनोद तावड़े और भाजपा कैंडिडेट राजन नाइक के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। हितेंद्र ठाकुर की बहुजन विकास अघाड़ी के विधायकों ने आरोप लगाया कि तावड़े मंगलवार को 5 करोड़ रुपए लेकर विरार इलाके की एक होटल पहुंचे।

तावड़े बोले-

मैं कार्यकर्ताओं की मीटिंग में गया था, चुनाव आयोग जांच करे- नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं की बैठक चल रही थी। चुनाव के दिन की आचार संहिता की 12 बातें बताने के लिए मैं वहां पहुंचा था। हमारी सामने वाली पार्टियों को लगा कि मैं वहां पैसे बांटने पहुंचा हूं। इन आरोप की चुनाव आयोग और पुलिस जांच करें। मैं 40 साल से पार्टी में हूं। सभी मुझे जानते हैं। मैं भी चाहता हूं कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष जांच करनी चाहिए।

अगर विपक्ष के पास ऐसे कोई सबूत हैं तो उन्हें चुनाव आयोग के पास जाना चाहिए : भाजपा

भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने कहा- अगर विपक्ष के पास ऐसे कोई सबूत हैं तो उन्हें चुनाव आयोग के पास जाना चाहिए।

अमित शाह बोले- भाजपा सरकार में देश में हिंसा घटी

● पिछले 10 साल में जम्मू-कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सल इलाकों में हिंसक घटनाएं 70 प्रतिशत कम हुईं

गांधीनगर (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भाजपा सरकार पिछले 10 सालों में जम्मू-कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सल इलाकों में 70 प्रतिशत तक हिंसा कम करने में सफल रही है। कई सालों से इन तीनों इलाकों को बहुत अशांत माना जाता था, लेकिन पिछले 10 सालों की तुलना करने पर पता चलता है कि हमने उल्लेखनीय सुधार किया है।

वे गुजरात के गांधीनगर में 50वें अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने इंटर्नल सिक्योरिटी और क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बड़े बदलाव किए हैं। ये कड़ी मेहनत और बेहतर कॉर्डिनेशन मांगते हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों पर वोटिंग आज

भाजपा 149, कांग्रेस 101 सीटों पर लड़ रही; 6 बड़ी पार्टियों समेत 158 दल मैदान में

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को सिंगल फेज में वोटिंग होगी। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में टूट के बाद कुल 158 दल चुनाव मैदान में हैं। इनमें 6 बड़ी पार्टियां दो गठबंधनों का हिस्सा बनकर चुनाव लड़ रही हैं।

झारखंड विधानसभा की 38 सीटों पर आज वोटिंग- झारखंड विधानसभा चुनाव के आखिरी और सेकेंड फेज में आज 20 नवंबर को 12 जिलों की 38 सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 1.23 करोड़ वोटर्स शामिल होंगे।

दिल्ली में एक्यूआई -500 तक पहुंचा

सीजन का सबसे ज्यादा पॉल्यूशन

उधर, दिल्ली से सटे नोएडा में प्रदूषण और धुंध के कारण ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार सुबह कई एक्सीडेंट हुए। यहां विजिबिलिटी कम होने के कारण एक ट्रक डिवाइडर पर चढ़ गया। इस कारण ट्रक के पीछे चल रहीं 4 कारें और कुछ बाइक आपस में टकरा गईं। एक्सीडेंट में 2 बाइक सवार की मौत हो गई।

22 ट्रेनें लेट, नोएडा में विजिबिलिटी घटने से वाहनों में टक्कर, 2 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में प्रदूषण बेहद खतरनाक लेवल पर बना हुआ है। मंगलवार सुबह 7 बजे दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 500 से ऊपर रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली का औसत एक्यूआई 494 रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन में सर्वाधिक है। यानी राजधानी में मंगलवार को सीजन की सबसे खराब हवा रही।

दिल्ली-एनसीआर के 10वीं तक के स्कूल पहले ही ऑनलाइन कर दिए गए थे। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद 11वीं-12वीं की क्लासेस भी ऑनलाइन चलाने का आदेश दे दिया गया। वहीं, डीयू, जेएनयू और जामिया के कॉलेजों की क्लासेस 4 दिन तक वर्चुअल मोड पर चलेंगी।

फिरोजाबाद में कोहरे से आपस में टकराईं 6 गाड़ियां

मेरठ (एजेंसी)। यूपी में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। फिरोजाबाद में आगरा-लखनऊ

एक्सप्रेस-वे पर खड़े ट्रक में कार घुस गई। फिर पीछे से आ रही 4 गाड़ियां भी एक-दूसरे से भिड़ गईं। हादसे में एक युवक को गंभीर घायल हो गया।

खुशखबरी- कनाडा ने भारतीयों के लिए कर दी मौज

अब वर्क परमिट के बिना सप्ताह में 24 घंटे काम कर सकेंगे छात्र

नईदिल्ली (एजेंसी)। कनाडा सरकार ने भारतीय छात्राओं के साथ-साथ विदेशी छात्राओं को भी राहत दी है। कनाडा में पहुंचे भारतीय विद्यार्थियों को अब सप्ताह में चौबीस घंटे काम कर सकेंगे। इमिग्रेशन रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा के मुताबिक, कनाडा में कैंपस के बिना परमिट हर सप्ताह चौबीस घंटे विद्यार्थी काम कर सकेंगे।

अभी तक भारतीय छात्र बिना वर्क परमिट के बीस घंटे काम करने की अनुमति थी। भारतीय विद्यार्थियों में अधिक गिनती पंजाबी विद्यार्थियों की है। पौने दो लाख के करीब पंजाब के विद्यार्थी कनाडा पढ़ने के लिए जाते है। विभिन्न कोर्स में दाखिला लेकर सप्ताह में बीस घंटे काम कर रहा था।

काम के घंटे बढ़ने से विद्यार्थियों की आय बढ़ेगी और पढ़ाई के साथ-साथ वर्क एक्सपीरियंस भी मिलेगा। हाल में कनाडा सरकार ने स्टूडेंट डायरेक्ट स्कीम को बंद कर दिया था जिसके चलते छात्राओं में रोष पाया जा रहा था। विद्यार्थी कनाडा के किसी कालेज व यूनिवर्सिटी में दाखिला लेकर सिन नंबर (सोशल इंश्योरेंस नंबर) प्राप्त करना होगा। सिन नंबर होने के साथ विद्यार्थी सप्ताह में चौबीस घंटे काम कर सकता है।

विधान परिषद उपचुनाव: तिरहुत स्नातक क्षेत्र से सीनेटर मनोज वत्स ने भरा पर्चा

कुल 18 नामांकन

सीतामढ़ी, एजेंसी। तिरहुत स्नातक निर्वाचन छेत्र के लिए चुनाव बिहार विशवविद्यालय के छात्र सीनेटर मनोज कुमार वत्स ने नामजदगी का परचा दाखिल किया। पर्चा भरने के बाद सम्बोधित करते हुए मनोज कुमार वत्स ने कहा कि माता सीता की जन्मभूमि सीतामढ़ी, भगवान बुद्ध कर्म स्थली और भगवान महावीर की तपस्थली मे इस चुनाव के परिणाम के बाद नयी सुबह होगी। लोगों ने राजनितिक जरता और राजनितिक जमींदारी को उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है।

सीतामढ़ी मे अंतराष्ट्रीय मानक का जानकी विश्वविद्यालय और वैशाली मे अंतराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना होगी। इससे महान साहित्कार रामबृक्ष बेनीपुरी की परिकल्पना साकार होगी। मनोज कुमार वत्स साल 2003 से भारतीय जनता पार्टी में हैं। श्री वत्स ने बताया कि पार्टी में वे ढाका संगठन जिला प्रभारी, मुजफ्फपुर नगर विधानसभा प्रभारी, बथनाहा विधानसभा प्रभारी, शिवहर विधानसभा समन्वयक जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों में रहे हैं। वर्तमान में बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में सरकार द्वारा मनोनित सीनेट सदस्य हैं।

पार्टी लाइन से अलग हटकर उन्होंने विधान परिषद चुनाव लड़ने का मन बनाया। पूछने पर बताया कि तिरहुत क्षेत्र को गिरवी से निकालने के लिए चुनाव लड़ना जरूरी है। एनडीए से जदयू के अभिषेक झा को मैदान में उतारा गया है। देवेश चंद्र ठाकुर के सीतामढ़ी सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हुई है। बीजेपी के राजेश रंजन ने भी नामांकन दाखिल किया था। पिछले दिनों उनका आकस्मिक निधन हो गया। नामांकन मे बिहार विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. ब्रजेश कुमार शर्मा ,महंत श्याम सुन्दर दास के भतीजे डॉ. शशिरंजन कुमार, डॉ दीपक सिन्हा, विकाश शर्मा , विद्यार्थी परिषद् के पूर्व प्रमुख विभाग रविनंदन सिंह, रविभूषण झा, प्रभात कुमार, सुनील कुमार, मनोज कुमार सिंह, इंजीनियर संजीव कुमार, आदित्य कुमार,भारत भूषण पासवान, विजय तिवारी, डॉ अश्विनी सिंह, सुधीर रंजन वर्मा, इंद्रजीत सिंह, फुलदेव सिंह, रविशंकर कुशवाहा, सोनम सिद्दीकी, अधिवक्ता संजय कुमार, अधिवक्ता संजय सिन्हा समेत बड़ी संख्या में समर्थक और शुभचिंतक शामिल थे।

अंतिम दिन नौ ने भरे पर्चे

विधान परिषद के तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव के लिए सोमवार को आखिरी दिन नौ अभ्यर्थियों ने नामांकन किया। पूर्व में भी नौ ने पर्चा दाखिल किया था। उपचुनाव के लिए कुल 18 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया है।

निर्वाची पदाधिकारी सह आयुक्त तिरहुत प्रमंडल सरवणन एम. के समक्ष नामांकन पर्चा दाखिल किया। सोमवार को जन सुराज पार्टी से विनायक गौतम समेत निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अरुण कुमार जैन, एहतेशामुल हसन रहमानी, अरविंद कुमार विभात, सीनेटर मनोज कुमार वत्स, संजय कुमार, रिंकु कुमारी, भूषण महतो व संजना भारती ने नामांकन का पर्चा दाखिल किया है। इससे पूर्व जदयू के अभिषेक झा, राजद के गोपी किशन समेत स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में राकेश कुमार रौशन, संजीव भूषण, वंशीधर ब्रजवासी, ऋषि कुमार अग्रवाल, प्रणय कुमार व संजीव कुमार ने पर्चा दाखिल किया था।

संक्षिप्त समाचार

डीजे पर डांस करने को लेकर पड़ोसी से मारपीट

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। गरहां थाना क्षेत्र के पटियासा गांव के वार्ड संख्या छह में सोमवार की शाम वार्ड सदस्य तिलेश्वर राम के पुत्र मुन्ना कुमार की शादी में बारात निकलने से थोड़ी ही देर पहले डीजे पर डांस करने को लेकर पड़ोसी से मारपीट हो गई। इस दौरान वार्ड सदस्य ने मारपीट की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस राधेश्याम के पुत्र राजेश कुमार और जगदीश राम के पुत्र ललित कुमार को पूछताछ के लिए थाने ले गई। घटना को लेकर रेखा देवी सहित अन्य ने बताया कि मुन्ना की शादी थी और उसका भाई सोनू कुमार डीजे बजा रहा था। इस दौरान आसपास के दर्जनों बच्चे डांस कर रहे थे। इसी बीच विवाद हो गया। वार्ड सदस्य ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

पंचायत सरकार भवन का निर्माण स्थल बदलने पर प्रदर्शन

छपरा, एजेंसी। मनोरपुर झखरी पंचायत सरकार भवन निर्माण के लिए पूर्व के चयनित स्थल को बदलने के खिलाफ मुखिया के नेतृत्व में वार्ड सदस्यों सहित चार दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने सीओ व स्थानीय सक्षम अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने अधिकारियों द्वारा स्थल चयन मे धांधली व मनमानी के खिलाफ कड़ी नाराजगी जतायी । साथ ही डीएम से इस विषय पर यथाशीघ्र संज्ञान लेने व यथाचित कार्रवाई करने की मांग की । मुखिया सत्येन्द्र राम , वार्ड सदस्यों में शामिल वार्ड सदस्य उमेश राम ,अनिल महतो , शैलेश सिंह , पवन शुक्ला,संजय राय व रंजीत महतो सहित बीरेन्द्र सिंह , भिखारी सिंह व शत्रोहन सिंह आदि दर्जनों ग्रामीणों का कहना था कि इस पंचायत में सरकार भवन निर्माण के लिये चयनित किया गया है । इसको लेकर मुखिया की अध्यक्षता में आयोजित ग्राम सभा से पारित कर स्थल चयन किया गया जो पंचायत के मध्य भाग बलडीहां में स्थित है। पर्याप्त भूमि उपलब्ध है। अंचल प्रशासन द्वारा चयनित स्थल की मापी व मिट्टी भी जांच करायी गयी । पर कुछ ही दिनों के बाद सीओ व स्थानीय सक्षम पदाधिकारी ने ग्राम सभा से चयनित स्थल को बदलकर पंचायत के अंतिम छोड़ सीमावर्ती शेखपुरा पंचायत क्षेत्र के पास स्थल का निर्धारण किया गया है जो कि पंचायत की जनता के हक में कही से भी उचित व न्यायसंगत नहीं है । अंचल प्रशासन द्वारा वर्तमान में निर्धारित स्थल बिल्कुल ही सूनसान व पंचायत के अंतिम छोर पर है । यहां सरकार भवन बनने के बाद भी पंचायत के लाभुक सरकार की सुविधाओं से वंचित रह जायेंगे । सरकारी कर्मी से लेकर लाभुकों को वहां काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा । उधर ग्राम सभा से पारित चयनित स्थल बलडीहां पंचायत के मध्य भाग में है । इस संबंध में सीओ अजय कुमार से पूछे जाने पर कहा आरोप निराधार है। सरकार भवन के लिये जो भूमि उपलब्ध थी, उसका अभिलेख बनाकर विभाग को भेज दिया गया है ।

ठंढ शुरू होते ही शहर में बढा चोरों का आतंक

सहरसा, एजेंसी। ठंढ का मौसम शुरू होते ही शहर में चोरों का आतंक बढने लगा है। खासकर चोर गिरोह सुनसान घरों को निशाना बना रहे हैं। शहर में बढ रही चोरी की घटना को लेकर जहां लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। वहीं पुलिस की गश्ती व्यवस्था को लेकर भी लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शहर में चोरी की घटना सदर थाना पुलिस के लिए लगातार चुनौती बनती जा रही है। रविवार की देर रात चोरों ने नया बाजार वार्ड 13 स्थित सरकारी कर्मी के घर को निशाना बनाया। चोरों ने कई गोदरेज, ट्रंक आदि तोड़ कर सामानों की चोरी किया। पीड़ित सरकारी कर्मी राजन रंजन परिवार सहित पटना में थे। जिस दौरान चोरों ने सुनसान घर देखा और मौका पाकर घर को निशाना बनाते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया।

जिस जगह चोरी की घटना हुई वहां संभ्रांत इलाका माना जाता है। वहां आसपास बड़ी संख्या में चिकित्सकों का क्लिनिक और आवास भी है। साथ ही मुख्य चौक समीप मद्य निषेध विभाग का थाना और कार्यालय भी अवस्थित है। चोरी की घटना सुबह पता चला। जिसके बाद पटना स्थित परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। चोरी हुए सामानों का आकलन पीड़ित गृहस्वामी का आने के बाद ही पता चलेगा। चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला नहीं तोड़ा था। इस वजह से सरकारी कर्मी के घर में चाहरदीवारी से कूद कर चोरों के आने और घर में चोरी की घटना को अंजाम देने की संभावना लग रही है।

बेगूसराय का युवा का रहा है औषधीय पौधा की खेती, 2024 में 250 से अधिक मजदूरों को दिया काम

बेगूसराय, एजेंसी। सरकार लगातार औषधीय पौधे की खेती करने और दवा बनाने के लिए प्रयास कर रही है। कोरोना काल में आयुर्वेद दवा का प्रभाव देखने के बाद भी बेगूसराय और बिहार में औषधीय पौधे पर ज्यादा स्कोप नहीं दिख रहा है। इसके बावजूद बेगूसराय के एक युवा ने ऐसा कमाल किया है कि आज वह अपने खेत में औषधीय पौधा की खेती कर रहा है।

वह अपने नर्सरी में औषधीय पौधा तैयार कर राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों तक भेज रहा है। इसकी पहचान बेगूसराय के सुदूर बस्ती गांव छौड़ाही प्रखंड के सिहमा का निवासी कुंदन कुमार चौधरी है। कुंदन ने आयुर्वेद की शिक्षा ली और वह उस पर लगातार रिसर्च कर रहा था। लेकिन उसे औषधीय पौधा और तमाम औषधि बनाने के लिए रॉ मटेरियल बाजार से महंगे दामों पर खरीद कर लाने पड़ते थे।

इसी दौरान उसे आइडिया आया क्यों नहीं खुद के खेत में औषधीय पौधा की खेती की जाए। क्यों नहीं स्थानीय लोगों को कम दामों पर उपलब्ध कराने के साथ-साथ बाजार में भी उपलब्ध कराया जाए। इसी सोच के साथ उसने शतावर की खेती शुरू कर दी। डिमांड बढ़ा तो उसने सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा की, दूसरे जगह से भी डिमांड आने लगे।

जब मांग बढ़ी तो 50 से अधिक प्रकार के औषधीय पौधा की खेती कर रहा है। ना सिर्फ खेती कर रहा है बल्कि यह सर्पगंधा, अश्वगंधा, शतावर और कालसर्प सहित अन्य पौधा अपने नर्सरी में तैयार करता है। यह पौधा राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और केरल सहित अन्य राज्यों के औषधीय खेती करने वाले किसानों को सप्लाई करता है।

इस बार भी उसने सतावर का डेढ़ लाख, सर्पगंधा का 80 हजार और कालसर्प का 1500 सहित पौधा सहित अन्य औषधीय पौधा की खेती की है। पशुओं को बराबर सतावर खिलाने की जरूरत पड़ती है। पहले पशुपालक बाहर से सूखा सतावर मंगवाते थे, जो महंगा और कम प्रभावी होता था। लेकिन कुंदन ने जब यहां खेती शुरू कर दी तो अब बड़ी संख्या में पशुपालक उसके खेत पर आकर हरा सतावर ले जा रहे हैं।

अधिक डिमांड करते हैं तो वह पहुंचा भी देता है। कुंदन कुमार चौधरी ने बताया कि हम अपने यहां सतावर, सर्पगंधा, पिपली, अश्वगंधा, काली हल्दी, सफेद मूसली सहित सभी औषधीय पौधा की खेती करते हैं। हमारा सीड, प्रोडक्शन प्लांट और सतावर या सर्पगंधा का जड़ सहित जो भी उपयोगी भाग है उसे तैयार कर मार्केट भेजते हैं। आसपास दवा बनाने वाले को भी उपलब्ध कराते हैं।

हमारे यहां का पौधा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, तमिलनाडु और केरल तक जाते रहता है। जहां जरूरत होता है, वहां हम उपलब्ध कराते हैं। तैयार हर्ब लोकल मार्केट के अलावा पटना और बनारस भेजते हैं। इसके अलावा भी जहां कहीं डिमांड होती है वहां भेजते हैं। एक एकड़ में नर्सरी लगाए हुए हैं। नियमित रूप से तीन लोगों को काम दिया है, 2024 में अब तक 250 से अधिक मजदूरों को काम दे चुके हैं। तीन लोग रेगुलर रहते हैं, इसके अलावा आवश्यकता के अनुरूप रखते हैं। सालाना पांच लाख रुपए की आमदनी हो रही है। मैं नर्सरी सहित इससे जुड़ा सभी काम अपने गांव छौड़ाही प्रखंड के सिहमा में ही करता हूं। लोगों को उपलब्ध कराने के अलावा दवा भी बनाकर जरूरतमंदों को देता हूं। मैंने आयुर्वेद से डिप्लोमा किया है, नेचुरोपैथी हमारी पहचान रही है। इसलिए आसपास के लोगों और अपने वैद्य मित्रों के लिए भी दवा तैयार करता हूं।

डॉक्टर ने ऑपरेशन के दौरान पेट में छोड़ा कपड़ा

- डीएमसीएच में महिला की सिजेरियन डिलीवरी हुई थी
- पति बोला-डिस्चार्ज के बाद से पेट में दर्द था

दरभंगा, एजेंसी। डीएमसीएच के मदर एंड चाइल्ड केयर सेंटर में एक गर्भवती की सिजेरियन डिलीवरी के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई है। गर्भवती महिला का सिजेरियन करने के दौरान डॉक्टर ने पेट के अंदर टेट्रा (कपड़ा) छोड़ दिया। इसकी वजह से महिला के ऑपरेशन वाले हिस्से में घाव बन गया। उसकी हालत गंभीर है। इलाज के लिए डीएमसीएच के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। दरअसल, जाले प्रखंड के कमतौल के ब्रह्मपुर पश्चिमी गांव के शिवम ठाकुर की पत्नी अंजीला (22) की डीएमसीएच में 8 अक्टूबर को सिजेरियन से डिलीवरी हुई। 14 अक्टूबर को उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। उसके बाद से ही उसे पेट में दर्द रहने लगा।

घाव सुखने की जगह बढ़ता जा रहा था और उसमें पस भर गया। रविवार को पति ने स्थानीय डॉक्टर से महिला को दिखाया। ऑपरेशन वाले हिस्से की ड्रेसिंग हुई। उस दौरान महिला के पेट से सूती कपड़े का बना टेट्रा निकला। जिसे ऑपरेशन के समय डॉक्टर खून

साफ करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। पति ने इस ड्रेसिंग का वीडियो बना लिया। जिसमें सूती कपड़े का बड़ा टुकड़ा पेट से निकालते दिख रहा है।

ऑपरेशन के बाद पेट के अंदर टेट्रा छोड़ा- पति

पीड़िता के पति ने डीएमसीएच के डॉक्टर्स पर लापरवाही का आरोप लगाया है। बताया कि ऑपरेशन के बाद डॉक्टर की लापरवाही की वजह से टेट्रा पेट के अंदर छूट गया। सर्जरी वाले भाग की सिलाई कर दी गई। शिवम कुमार ने वीडियो को प्रशासनिक स्तर पर भेजा है। फिलहाल उसे इलाज के लिए डीएमसीएच में ही भर्ती कराया है।

मरीज की जान को बचाना हमारी प्राथमिकता- सुपरिटेंडेंट

डीएमसीएच अधीक्षक अलका झा ने कहा कि ब्रह्मपुर पंचायत निवासी महिला का वीडियो वायरल हो रहा है। उसे 14 अक्टूबर को ही अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया था। जिसके बाद से महिला अब तक एक बार भी अस्पताल में दिखाने के लिए नहीं पहुंची थी। स्थानीय स्तर पर वह लगातार इलाज करवा रही थी। फिलहाल मरीज को आईसीयू वार्ड में शिफ्ट कर बेहतर चिकित्सा सेवा दी जा रही है।

मरीज की जान को बचाना हमारी प्राथमिकता है। इस लापरवाही को लेकर अस्पताल प्रशासन गहनता से जांच करेगा। अभी मामला कुछ भी साफ नहीं हो रहा है।

भोजपुर में पिस्टल के साथ पांच बदमाश गिरफ्तार, फायरिंग के साथ रील भी बना रहे थे

हाईवे पर सभी दोस्त मिलकर जन्मदिन मना रहे थे

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के टाउन थाना क्षेत्र अन्तर्गत पटना-बक्सर हाईवे पर सिंगही मोड़ के समीप पुलिस ने छापेमारी कर अवैध हथियार का प्रदर्शन और फायरिंग कर जन्मदिन कि पार्टी मना रहे पांच बदमाशों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। साथ ही पकड़े गए बदमाशों के पास से एक देसी पिस्टल, पांच कारतूस, एक मैग्जीन और चार मोबाइल जब्त किया गया है। घटनास्थल से एक खोखा भी मिला है। इसकी जानकारी भोजपुर एसपी राज ने दी। मामले में गौसगंज-गांगी निवासी अरूण कुमार, उनेश कुमार माली और रंजन कुमार सिंह के अलावा दो नाबालिगों को पकड़ा गया है। पूर्व के आपराधिक इतिहास के बारे में पता किया जा रहा है।

भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी की गई है। एसपी के अनुसार गौसगंज-गांगी मोहल्ला के ही एक लड़के का रविवार को जन्मदिन था। देर शाम वह हाईवे किनारे सिंगही मोड़ के पास अपने दोस्तों के साथ जन्मदिन का पार्टी मना रहा था।

60 हजार नगद भी बरामद

पार्टी के दौरान पिस्टल से फायरिंग भी कर रहे थे। रील भी बना रहे थे। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष देव राज राय, सेक्टर पदाधिकारी प्रमोद कुमार और दारोगा सूरज कुमार समेत अन्य अफसरों ने सशस्त्र बल के साथ छापेमारी की।

घेराबंदी कर हथियार का प्रदर्शन कर फायरिंग कर रहे पांचों दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान एक देसी पिस्टल, पांच कारतूस, एक मैग्जीन, चार मोबाइल जब्त और नकद 60 रुपए बरामद किए गए।

बेवजह शस्त्र का प्रदर्शन करना अपराध

एसपी ने बताया कि हथियार लाइसेंसी हो या अवैध बेवजह शस्त्र का प्रदर्शन करना व फायरिंग करना अपराध की श्रेणी में आता है। इसे लेकर लगातार कार्रवाई भी की जा रही है। सभी सेक्टर पदाधिकारी को लेकर अपने क्षेत्र में गश्त कर निगरानी रखने का भी निर्देश दिया गया है।

इन दिनों कम उम्र के लड़कों में तेजी से भटकाव हो रहा है। सभी अभिभावकों को भी अपने बच्चों पर ध्यान देने की जरूरत है। खासकर उसकी दोस्ती किस तरह के लड़कों के साथ है,यह भी अभिभावकों को जरूर देखना चाहिए। वरना गलत संगत के चक्कर में जेल भी जाना पड़ सकता है।

बिहार में अगले 3-4 दिनों में और बढ़ेगी ठंड:19 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट

पटना और बक्सर की हवा सबसे खराब

पटना, एजेंसी। बिहार में ठंड का असर दिखने लगा है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी मंगलवार को 19 जिलों में घने कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसमें किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, अररिया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, वैशाली, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, सारण, सीवान, गोपालगंज, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण शामिल हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, राज्य में अभी पछुआ हवा चल रही है। इस वजह से सभी जिलों के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। हालांकि, अब भी तापमान सामान्य से अधिक है। अगले 3 से 4 दिनों के बाद हिमालय पर बर्फबारी शुरू होगी तो प्रदेश में ठंड बढ़ेगी। दूसरी ओर घने कोहरे के चलते 20 ट्रेनें और 7 फ्लाइट देरी से चल रही है।

पटना का एक्यूआई 300 के पार

वहीं, बदलते मौसम के बीच राजधानी पटना, बक्सर समेत कई जिलों की हवा खराब हो गई है। पिछले 24 घंटे के दौरान पटना का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 307 तक पहुंच गया। जो खराब श्रेणी में आता है। यह रेड जोन में भी है। विभाग ने 11 जिलों को एक्यूआई जारी किया है।

डॉ. दिवाकर तेजस्वी ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि एक्यूआई लेवल 300 से अधिक होने पर हवा लोगों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। मास्क लगाकर घर से बाहर निकलें। कार्बन मोनोऑक्साइड की अधिकता वाले वातावरण में सांस लेने से शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है। जिससे सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी, पेट खराब होना, उल्टी, सीने में दर्द की शिकायत हो सकती है।

कोईरी आक्रोश महारैली में शामिल होने की अपील:सीवान पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि

सीवान, एजेंसी। सीवान में सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि पहुंचे। कोईरी आक्रोश महारैली का आयोजन किया जा रहा है। 23 फरवरी को पटना के गांधी मैदान में आयोजित होने वाले कोईरी आक्रोश महारैली में लोगों से भारी संख्या के साथ आने की अपील की गई। इस दौरान पूर्व मंत्री ने सीएम नीतीश कुमार पर भी जमकर हमला बोला। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनगणना में कोईरी समाज को 12 प्रतिशत की जगह चार प्रतिशत दिखाया गया है। इससे कोईरी समाज को जलील किया जा रहा है। अपमान का बदला कोईरी समाज नीतीश सरकार से लेगी और आगामी चुनाव में करारा जवाब दिया जाएगा। जब भी आंदोलन हुआ है तब ही समाज से नेताओं को बाहर निकाला जाता है। उन्हें टिकट दिया जाता है। फिर से बड़ा आंदोलन होगा जिसके बाद ही सरकार क्षेत्र की वह इतनी बड़ी आबादी होने के बाद भी हमारे समाज से कम लोगों को टिकट दिया जाता है।

विधानसभा चुनाव में दिखेगा लोगों का गुस्सा: इस मौके पर अन्य कोई समाज के नेता व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809, 9801344665

डॉ. एस. प्रसाद

परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत सदर अस्पताल में परिवार नियोजन परामर्श केंद्र का हुआ उद्घाटन

- सरकारी अस्पतालों में बंध्याकरण व नसबन्दी निःशुल्क कराई जाती है
- दो बच्चों के बीच तीन साल का अंतर होना जरूरी

बीएनएम। मोतिहारी

परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला सदर अस्पताल में परिवार नियोजन परामर्श केंद्र का उद्घाटन मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ. बिनोद कुमार सिंह के द्वारा किया गया। मौके पर सिविल सर्जन ने कहा की परिवार नियोजन के प्रति योग्य दंपतियों को जागरूक करना,परामर्श उपलब्ध करना बेहद जरूरी है। इन्हीं लाभ को पहुंचाने के उद्देश्य से,अपने परिवार को सीमित रखने, महिला को बंध्याकरण व पुरुष नसबन्दी के बारे में जानकारी देने हेतु उद्घाटन किया गया है।

दो बच्चों के बीच तीन साल का अंतर होना जरूरीः डीसीएम नंदन झा ने कहा की 18 से 30 नवंबर 2024 तक पुरुष नसबदी पखवाड़ा के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा बैनर, पोस्टर, माइकिंग द्वारा लोगों को सही उम्र में शादी, पहले बच्चे में देरी, बच्चों के बीच सही अंतर तथा छोटा परिवार के लाभ के बारे में जागरूक किया जा रहा है ।वहीं गर्भनिरोधक उपायो को अपनाने हेतु भी परामर्श दिया जा रहा है ।सभी 27 प्रखंडो के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर परिवार नियोजन सेवाओं के तहत् प्रदान की जाने वाली

सेवा यथा- कॉपर-टी, गर्भनिरोधक सूई/एमपीए बंध्याकरण एवं नसबंदी की सेवा प्रदान करने पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा।इसके सफल संचालन हेतु सांसद, विधायक, पंचायती राज संस्था के सदस्य, शहरी स्थानीय निकाय, स्वास्थ्य कर्मी एवं सिविल सोसायटी के सदस्य के साथ ही प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल मीडिया चैनलों का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने बताया की महिला बंध्याकरण का लक्ष्य 2150, पुरुष नसबन्दी 160, आयुसीडी 4745, अंतरा सुई 5500, माला 93 हजार 680, कंडोम 02 लाख 34 हजार 200. इसीपी 40 हजार 840, छाया टेबलेट 93 हजार 680 है।

सरकारी अस्पतालों में बंध्याकरण व नसबन्दी निःशुल्क कराई जाती हैः डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में महिला बंध्याकरण व पुरुष नसबन्दी निःशुल्क कराई जाती है। उन्होंने कहा कि महिला बंध्याकरण से पुरुष नसबंदी की प्रक्रिया सरल है। पुरुष नसबंदी को लेकर समाज में कई प्रकार का भ्रम फैला हुआ है। इस भ्रम को तोड़ना होगा। छोटा परिवार सुखी परिवार की अवधारणा को साकार करने के लिए पुरुष को आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठाने की जरूरत है। नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपए एवं महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 रुपए की प्रोत्साहन की राशि लाभार्थियों के खाते में भेजी जाती है। मौके पर ठाकुर विश्व मोहन, डीपीएम, डीएस, नंदन झा, डीसीएम, अस्पताल प्रबंधक,कौशल दुबे, डॉ वंदना शर्मा,अमित कुमार पीएसआई, आदित्य राज, सीश्री व अन्य लोग उपस्थित रहे।

विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर "हमारा शौचालय-हमारा सम्मान" कार्यक्रम का किया गया शुभारंभ

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। उप विकास आयुक्त शंभू शरण पांडे की अध्यक्षता में नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन के सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक मंगलवार को संपन्न हुई जिसमें उप विकास आयुक्त ने बताया कि आज विश्व शौचालय दिवस भी है। विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर बैठक में ही 'हमारा शौचालय हमारा सम्मान' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि हमारा शौचालय हमारा सम्मान पूरे जिला में 10 दिसंबर तक मिशन मोड में चलाया जाएगा जिसका उद्देश्य मिशन क्रियाशीलता रखा गया है। इसमें व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, सामुदायिक शौचालय निर्माण,मरम्मती एवं सौंदर्यीकरण शामिल है। इस मिशन अंतर्गत जिला प्रखंड और पंचायत स्तर पर सर्वश्रेष्ठ शौचालय निर्माण को 10 दिसंबर को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रत्येक प्रखंड से 3 शौचालय है एवं दो स्वच्छता परिसर का चयन किया जाएगा। इसमें सहभागी जनप्रतिनिधि,स्वच्छता कर्मी, स्वच्छता पर्यवेक्षक एवं पदाधिकारी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में हमारा शौचालय हमारा सम्मान विषय पर कार्यशाला का आयोजन भी किया गया जिसमें स्वच्छता कर्मी एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इसी कड़ी में उप विकास आयुक्त की उपस्थिति में जीविका दीदी के यहां शौचालय निर्माण हेतु गड्ढे खोदकर इस मिशन का शुभारंभ किया गया। साथ ही सदर प्रखंड स्थित सिरसा पंचायत में अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई (wpu)का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त के साथ निदेशक डीआरडीए, जिला समन्वयक लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, जिला सलाहकार एवं प्रखंड समन्वयक उपस्थित थे।

अवैध बंगाली चांदसी क्लिनिक को सील कर की गई प्राथमिक दर्ज

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के रक्सौल अनुमंडल पदाधिकारी तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी आदापुर व पीएचसी प्रभारी आदापुर द्वारा आदापुर बाजार स्थित कुल तीन अवैध क्लीनिक सील कर दो व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। यह तीनों अवैध क्लिनिक बंगाली चाँदसी क्लीनिक के नाम अवैध दांत उपचार घर का संचालन किया जा रहा था। जिनमें अन्य प्रकार के उपचार व दवाइयां भी बेची जा रही थी। स्वयं को डॉक्टर बताने वाले कुल 2 व्यक्ति - निमई कुमार मंडल (एन. के मंडल) तथा वरुण कुमार पर आदापुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। स्वयं को डॉक्टर बताने वाले रमेश कुमार विश्वास द्वारा जांच के क्रम में कुछ स्नातक संबंधी कागजात दिखाए गए परन्तु पंजीकरण नहीं कराए जाने की बात कही गई। इस आशय से उनकी दुकान भी सील कर पीएचसी प्रभारी द्वारा सभी कागजात जांच हेतु जमा करने का नोटिस निर्गत किया गया।

हिन्दी नवगीत की प्रमुख हस्ताक्षर डॉ. शांति सुमन की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का किया गया आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय के स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी नवगीत की प्रमुख हस्ताक्षर डॉ. शांति सुमन की स्मृति में मंगलवार को प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मैथिली और हिन्दी साहित्य को अपने गीतों से संवारने वाली डॉ. शांति सुमन ने बीते शनिवार 80 वर्ष की उम्र में जमशेदपुर में अंतिम साँस ली। साहित्यकार होने के साथ ही उन्होंने अकादमिक क्षेत्र में भी अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। महंत दर्शन दास महिला महाविद्यालय, मुज़फ्फरपुर में उन्होंने लम्बे समय तक अध्यापन-कार्य किया और अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्ति के बाद जमशेदपुर में ही रह रहीं थीं। मौके पर बी.आर.ए बिहार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं लब्धप्रतिष्ठित साहित्याकर प्रो. रविन्द्र कुमार वर्मा 'रवि' भी मौजूद थे जिन्होंने डॉ. शांति सुमन की स्मृति को साझा करते हुए हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में उनके महत्त्वपूर्ण हस्तक्षेप को रेखांकित किया। उन्होंने डॉ. शांति सुमन से जुड़े संस्मरणों को साझा करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार ने भी डॉ. शांति सुमन को विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए उनके साहित्यिक अवदान पर अपनी बात रखी। प्राचार्य ने अपने संस्मरणों को साझा किया जिससे डॉ. शांति सुमन के

बहुआयामी व्यक्तित्व को समझा जा सकता है। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार पाण्डेय ने भी हिंदी नवगीत के विकास में कवयित्री डॉ. शांति सुमन को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। हिंदी विभाग के डॉ. मनोहर कुमार श्रीवास्तव और डॉ. गौरव भारती ने भी हिंदी साहित्य और नवगीत के क्षेत्र में डॉ. शांति सुमन के महत्त्व पर अपनी बात रखते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान विभाग के विद्यार्थियों की मौजूदगी में दो मिनट का मौन रखकर डॉ. शांति सुमन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी है।

वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना के टी 1 के वन क्षेत्र में फिर एक बार नेपाली हाथियों का चहलकदमी तेज

भारतीय वन क्षेत्र में जंगली हाथियों के चहलकदमी से वन कर्मियों में बढ़ी बेचैनी

बीएनएम। मोतिहारी

वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना वन प्रमंडल 2 के वाल्मीकि नगर वन क्षेत्र में नेपाल के चितवन नेशनल पार्क से भटककर आये जंगली हाथियों के समूह की चहलकदमी वन क्षेत्र के टी 1 के वन क्षेत्र में हो रहा है। विगत माह नेपाली हाथियों का झुंड वन क्षेत्र से निकल कर ग्रामीण क्षेत्र में पहुंच कर उत्पात मचाते हुए धान,केले आदि के फसल को नुकसान पहुंचाया था,जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त हो चला था।परन्तु वन क्षेत्र की ओर हाथियों के चले जाने से ग्रामीणों व वनकर्मियों ने राहत की सांस ली थी। फिर से अब मंगलवार की अहले सुबह नेपाली हाथियों का समूह वन क्षेत्र के गूल्लर घाट के टी 1वन क्षेत्र के वाल्मीकि आश्रम स्थित एसएसबी कैम्प के आसपास के वन क्षेत्रों में चहलकदमी करते देखा गया है।इस बाबत पूछे जाने पर वाल्मीकि नगर वन के क्षेत्र रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि वीटीआर में पहुंचे जंगली नेपाली हाथियों का लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।मौंजूदा समय में हाथियों का समूह वन क्षेत्र के टी 1 वन क्षेत्र एवं वाल्मीकि आश्रम एसएसबी कैंप के आसपास के वन क्षेत्रों में चहलकदमी कर रहा है।वन कर्मीयों की टीम कड़ी नजर बनाए रखे हुए हैं।

इंदिरा गांधी जी की मनाई गयी 107वीं जयंती

- पूर्वी चंपारण कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंजीनियर शशि भूषण राय उर्फ गप्पु राय की अध्यक्षता में हुआ कार्यक्रम
- कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की साथ ही महिलाओं को सम्मानित किया गया

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के बंजरिया पंडाल स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री व भारत रत्न से सम्मानित स्व. इंदिरा गांधी की 107 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। यह कार्यक्रम जिला कांग्रेस अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पु राय की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस मौके पर नीरज ठाकुर उर्फ पिंटू ,अनिल कुमार, मुकेश कुमार, राजदेव पांडे आदि लोगो ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की साथ ही महिलाओं को बुके, माला एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान इंदिरा गांधी जी के योगदान और उनकी अपार सेवा को याद किया गया। जिले भर से कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक इस आयोजन में शामिल हुए, जिन्होंने इंदिरा गांधी के आदर्शों को आगे बढ़ाने और उनके द्वारा किए गए ऐतिहासिक निर्णयों की सराहना की। इस अवसर पर श्री राय ने इंदिरा गांधी के जीवन के प्रेरणादायक पहलुओं पर चर्चा की और उनके दृष्टिकोण को सभी को आत्मसात करने की अपील की। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा

उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी का नेतृत्व आज भी देशवासियों के लिए एक आदर्श है। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इंदिरा गांधी के योगदान को सम्मानित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर शैलेंद्र कुमार शुक्ल पूर्व अध्यक्ष, विजय शंकर पांडे, अखिलेश प्रसाद उर्फ भाई जी, विजय कुमार जायसवाल उर्फ मुनमुन जायसवाल, किरण कुशवाहा, संजीव सिंह उर्फ टुन्नी सिंह, सत्येंद्र नाथ तिवारी, रंजन शर्मा, बिट्टू यादव, आबिद हुसैन, ओसैदूर रहमान, राहुल शर्मा, डॉ. आदर्श आनंद, रंजीत पांडे, विजयकांत त्रिपाठी, नसीम अख्तर, राजकुमार कुशवाहा, अरुण प्रकाश पांडे, जितेंद्र यादव, प्रीतम अग्रवाल, आशीष रंजन सिंह, अनिल कुमार सिंह, राजदेव पांडे सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

रेल पुलिस ने प्लेटफॉर्म संख्या दो से बैग में रखे चरस किया बरामद, तस्कर फरार

फरार तस्कर की पहचान के लिए पुलिस सीसीटीवी खंगालने में जुटी

बीएनएम। सुगौली

स्थानीय रेल पुलिस ने प्लेटफार्म नम्बर दो से सोमवार की देर रात्रि लावारिस हालत में एक पिट्ठू बैग में रखे गये चरस को बरामद किया है। मामले की पुष्टि करते हुए रेल थानाध्यक्ष शरद कुमार रंजन ने बताया कि प्लेटफार्म नम्बर दो पर ऑन ड्यूटी हवलदार विनय कुमार ने प्लेटफॉर्म पर लावारिस हालत में पिठू बैग होने की सूचना दी। सूचना पर रेल थानाध्यक्ष और पुलिस बल ने प्लेटफार्म पर पहुंच कर बैग की जांच की।जिसमे आठ पैकेट रखे मिले। पुलिस ने जब उन पैकेटों की जांच की तो उनमें मादक पदार्थ चरस पाया गया। पुलिस ने चरस बरामद चरस को जब्त कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया गया बरामद चरस का वजन 4 किलो 80 ग्राम निकला। वहीं प्लेटफार्म पर पुलिस की सरगर्मी की भनक लगने की चरस तस्कर मौके से फरार हो गया। मामले की पुष्टि करते हुए मुजफ्फरपुर रेल एसपी सह ग्रामीण

एसपी विद्या सागर ने बताया कि रेल थाना सुगौली को रेल यात्रियों ने प्लेटफॉर्म पर एक संदिग्ध लावारिस बैग होने की सूचना दी और आशंका जताया कि बैग में विस्फोटक हो सकता है। सूचना पर सुगौली रेल थानाध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी आननफानन में मौके पर पहुंचे और संदिग्ध बैग की गहन जांच पड़ताल बम दस्ता को बुलाकर करायी। इस दौरान उससे मादक पदार्थ चरस पाया गया। जिसे रेल थाना लाया गया और बीडीओ सह दंडाधिकारी नूतन किरण के सामने जब्ती सूची बना कर प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस ने अज्ञात तस्करों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्यवाही करने में जुटी है।मामले को लेकर रेल एसपी विधा सागर ने आशंका जतायी है कि यह खेप नेपाल से सुगौली लाया गया होगा। जिसे सत्याग्रह व मिथिला एक्सप्रेस के कैरियर को सप्लाई देने की साजिश रही होगी। उन्होंने बताया कि रेल डीएसपी बेतिया उमेश कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया है। जो तस्करों की पहचान के लिए स्टेशन व इसके आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है। गौरतलब है कि पिछले दिनों स्टेशन के समीप सरगम सिनेमा रोड से स्थानीय पुलिस ने भारी मात्रा मे चरस सहित तस्कर को पकड़ा था।

समारोहपूर्वक मनाई गई केसरिया के प्रथम प्रखण्ड प्रमुख रहे स्व नारायण किशोर की 10 वीं पुण्यतिथि

बीएनएम। केसरिया

कम्युनिस्ट पार्टी के कद्दावर नेता व केसरिया के प्रथम प्रखण्ड प्रमुख रहे स्व नारायण किशोर प्रसाद की 10 वीं पुण्यतिथि मंगलवार को समारोहपूर्वक मनाई गई। सम्राट अशोक भवन के सभागार में आयोजित इस समारोह का शुभारंभ मोतिहारी के विधायक प्रमोद कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश अस्थाना, शम्भू गुप्ता, पूर्व नपं मुख्य पार्षद रजनीश कुमार पाठक सहित अन्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। संबोधित करते हुए विधायक प्रमोद कुमार ने कहा कहा कि स्व नारायण किशोर प्रसाद असाधारण व्यक्तित्व थे। उन्होंने हमेशा क्षेत्र के विकास के लिए काम किया। उनकी सोंच व कार्य का नतीजा है कि आज केसरिया विकास की ओर अग्रसर है।समारोह को भाजपा नेता आनंद सिंह, राजद नेत्री सह पूर्व जिला पार्षद पूनम देवी, जन सुराज के जिलाध्यक्ष रामशरण प्रसाद यादव, रवींद्र सिंह बेरुआर, पूर्व मुखिया राजकुमार प्रसाद, राजद नेता अवधेश राय सहित अन्य ने भी संबोधित कर स्व प्रसाद की जीवनी व केसरिया के विकास के लिए उनके द्वारा किये गये कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीताराम यादव ने किया। वहीं संचालन कुंदन कुमार व राकेश कुमार रत्न ने संयुक्त रूप से किया। इससे पहले आगत अतिथियों ने पूर्व प्रमुख स्व प्रसाद की प्रखण्ड कार्यालय परिसर में स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। समारोह में कांग्रेस नेता प्रफुल्ल कुंवर, प्रभात कुमार, बाबूनन्द शर्मा, अभय कुमार सिंह, पूर्व जिला पार्षद मोख्तार प्रसाद गुप्ता, जदयू नेता वसील अहमद खान, विश्वनाथ सिंह, सुभाष गुप्ता, राजद नेता विनोद गुप्ता, कौशल किशोर प्रसाद, श्यामबाबू प्रसाद, राजेन्द्र सिंह, सुरेंद्र प्रसाद, मुकेश कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

राष्ट्रीय वयोश्री योजना को लेकर प्रखण्ड कार्यालय परिसर में आज लगेगा शिविर

वरिष्ठ नागरिकों को चिकित्सीय जाँच के बाद जीवन सहायक यंत्र व उपकरण के लिए पंजीयन किया जाएगा

बीएनएम। केसरिया। सामाजिक सुरक्षा कोषांग के द्वारा बुधवार को प्रखण्ड कार्यालय परिसर में एक दिवसीय निःशुल्क पंजीयन एवं मूल्यांकन सह परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत पात्र लाभुकों को चिकित्सीय जाँच के बाद जीवन सहायक यंत्र व उपकरण के लिए पंजीयन किया जाएगा। बीडीओ मनीष कुमार सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार की वयोश्री योजना अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को नित्य जीवन सहायक उपकरण प्रदान किया जाना है। इन जीवन सहायक उपकरणों में व्हीलचेयर, चश्मा, छड़ी, एयररिंग, बेल्ट आदि शामिल है। 60 वर्ष या इससे अधिक के आयुवर्ग के वरिष्ठ नागरिकों को मेडिकल जाँच के बाद इस योजना के लिए पंजीयन किया जाएगा। इसके लिए बुधवार को प्रखण्ड कार्यालय परिसर में सुबह साढ़े दस बजे से संध्या चार बजे तक शिविर का आयोजन किया गया है। होकर योजना उन्होंने सभी पंचायत जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि अपने-अपने क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों को आधार कार्ड, मोबाईल नम्बर सहित अन्य आवश्यक कागजात लेकर इस शिविर में भेजें। ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

शराब एवम शराबियों पर प्रशासन का पैनी निगाह, करोबारियो मे हड़कंप

बीएनएम। सिकरहना। पचपकड़ी थानाध्यक्ष संदीप कुमार के नेतृत्व मे शराब् करोबारियों एवम शराबियों मे हड़कम्प मचा हुआ है। जिसको लेकर आये दिन शराब के साथ एवम शराबी दो चार पकड़ाते रह रहा है। लेकिन कानूनी लचर व्यवस्था के कारण करोबारियो मे कोई कमी नही हो रहा है। नेपाल की खुली सीमा होने के कारण शराब् करोबारि किसी समय किसी रास्ते नेपाल से जाकर शराब की तस्करी करने से बाज नही आ रहा है। वही पूर्व थानाध्यक्ष की तरह वर्तमान थानाध्यक्ष संदीप कुमार ने नेपाल की ओर से आने वाली सभी रास्ते मे अपना खुफिया लगा रखे है, जिसका परिणामस्वरूप आज शराब् के साथ दो शराब करोबारियो ग्लेम्बर मोटर साइकिल के साथ गिरफ़्तार किया गया है। दोनों शराब करोबारियो से पूछताछ करने पर सुभाष कुमार पिता राम प्रवेश पासवान, दीपक कुमार पिता मंटू पासवान दोनों सा० जिहुली थाना पताही को दो सौ नौ पीस नेपाली रिलेक्स शराब एवम ग्लेम्बर मोटर साइकिल के साथ गिरफ़्तार किया गया है। वही शराबियों मे पाँच शराबियों को गिरफ़्तार किया गया, जिसमे अरुण कुमार पिता किशोर यादव सा० रुपोलिया खुर्द, श्याम चौधरी पिता भिखर चौधरी, प्रमोद साह पिता रघुनाथ साह ओम प्रकाश चौधरी पिता रामचंद्र चौधरी तीनो सा० पचपकड़ी एवम मो मनुद्दीन किताब पिता मो इस्लाम सा० रुपोलिया सभी थाना पचपकड़ी को गिरफ़्तार किया गया है। जिसको कागजी प्रक्रिया करते हुए न्यायिक हिरासत मोतिहारी जेल भेज दिया गया है। वही पचपकड़ी थानाध्यक्ष संदीप कुमार से पूछने पर बताया की शराब एवम शराबियों की खिलाफ हमेसा अभियान चलता रहेगा, जबकि थाना क्षेत्र मे किसी प्रकार की अफवाह या घटना के बारे मे अगर कोई जानकारी देता है तो उसकी पहचान गुप्त रखते हुए त्वरित करवाई किया जायेगा।

थानाध्यक्ष ने की सीएसपी संचालकों के साथ बैठक

बीएनएम। तुरकौलिया। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देशानुसार तुरकौलिया थाना पर थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने थाना क्षेत्र के सीएसपी संचालकों को बुलाकर मंगलवार को आवश्यक बैठक की है। जहां थानाध्यक्ष ने बताया कि संचालकों को निर्देशित किया गया है कि सीसीटीवी कैमरा लगाएं। सबसे पहले अंदर में काउंटर बनवाएं। मेन गेट लोहे का होना चाहिए। मेन गेट पर जंजीर लगाना है। ताकि एक-एक करके ग्राहक अंदर आएंगे। सुबह खोलना है और संध्या के पहले बंद कर देना है। केंद्र के सामने कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे तो इसकी सूचना पुलिस को दें। ताकि समय रहते त्वरित कार्रवाई की जा सके। बैठक में दिलीप जोशी, धर्मेंद्र कुमार, विकास कुमार, मनीष कुमार, ललीता देवी, प्रेमकिशोर गुप्ता, प्रदीप कुमार, पारस कुमार, संजीव कुमार, प्रेमकिशोर राम, अरविंद कुमार सहित दर्जनों मौजूद थे।

महिला सशक्तिकरण के रूप में मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती

- कई महिलाएं की गई सम्मानित

बीएनएम। मोतिहारी

जिला कांग्रेस एवं युवा कांग्रेस की ओर से देश की पहली महिला प्रधानमंत्री व आयरन लेडी इंदिरा गांधी की जयंती पार्टी कार्यालय बंजरिया पंडाल में मनाई गई। युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बिट्टू यादव के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जयंती समारोह को महिला सशक्तिकरण के रुप में मनाया। लिहाजा, युवा कांग्रेस ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा के बल पर समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय, उपाध्यक्ष गीता देवी, जिला परिषद सदस्य किरण कुशवाहा, महिला नेत्री डॉ. कुमकुम सिन्हा, सीता पासवान और अर्चना देवी समेत कई ग्रामीण महिलाओं को अंगवस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बिट्टू यादव ने बताया कि इंदिरा गांधी के जन्मदिन के अवसर पर महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। शहर के विभिन्न चौक-चैराहों पर महिला सशक्तिकरण की मिशाल बनी महिलाओं को सम्मानित किया गया। मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ई. शशिभूषण राय, पूर्व जिलाध्यक्ष शैलेंद्र शुक्ला, प्रदेश सचिव प्रीतम अग्रवाल, आमीर जावेद, आशीष कुमार, राहुल शर्मा, अनवर आलम, अखिलेश्वर यादव उर्फ भाईजी, विजय शंकर पांडेय, मुनमुन जायसवाल, मो. इकराम, चंदन यादव समेत कई पार्टी नेता उपस्थित थे

हरसिद्धि पुलिस ने 1392 पीस फ्रूटी बरामद किया

बीएनएम। मोतिहारी। हरसिद्धि पुलिस ने डीएसपी रंजन कुमार के निर्देश एवम गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार को छापेमारी कर 29 कार्टून में रखे 1392 पीस ऑफिसर चॉइस का फ्रूटी तथा दो बाइक, दो मोबाइल तथा नगद नौ हजार रुपये सहित दो धंधेबाजों को गिरफ्तार कर किया है। डीएसपी रंजन कुमार ने बताया ने कि उन्हें धंधेबाजों द्वारा

शराब ले जाने की सूचना मिली। त्वरित कार्रवाई करते थानाध्यक्ष सर्वेन्द्र कुमार, दरोगा रवि रंजन कुमार, पप्पू पासवान पीएसआई संतोषी कुमारी, चौकीदार तफ़्सीर आलम खान, मनु यादव और रामबाबू यादव की टीम गठित की गई।टीम ने जागापाकड गांव के बिनटोली स्थित गन्ने के खेत से उक्त शराब व अन्य बरामद किया। गिरफ्तार धंधेबाज जागापाकड के विद्यानंद तिवारी के पुत्र संतोष तिवारी चढ़रहिया के राजदेव बिंद का पुत्र प्रवेश कुमार शामिल है।जप्त शराब की कीमत पौने तीन लाख है।

सीएसपी संचालक हत्याकांड के मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। हरसिद्धि पुलिस ने सीएसपी संचालक हत्या कांड के मुख्य अभियुक्त परमेन्द्र कुमार को हरसिद्धि थानाध्यक्ष सर्वेन्द्र कुमार, रवि रंजन कुमार एवम बिभा भारती ने छापेमारी कर उसके घर चिलराव से गिरफ्तार कर लिया है। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष ने बताया कि आवश्यक पूछ ताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बताते चले कि पिछले सप्ताह परशुरामपुर चौक स्थित भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक राहुल कुमार सिंह को गोली मारकर हत्या कर दिया गया था।

बैंक कर्मी हत्या कांड में पुलिस ने तीन को लिया हिरासत में

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र में बैंक कर्मी से लूट व हत्या मामले में पुलिस को अहम सुराग हाथ लगा है। इस मामले में तीन संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है , जिससे पूछताछ की जा रही है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया है कि टेक्निकल सेल की मदद से घटना के सम्बंध में कई अहम जानकारी मिली है। उल्लेखनीय है,कि पुलिस कप्तान मौके पर पहुंचकर मामले की जांच करते हुए पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। बताया गया है कि फारेंसिक विभाग की टीम ने भी हत्या स्थल पर पहुंच कर कई साक्ष्यों को इकठ्ठा किया है और उसे लैब टेस्ट के लिए सुरक्षित किया है। बता दे कि 18 नवम्बर की शाम सारण जिला निवासी निजी बैंक कर्मी अवनीश कुमार को डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के सेमुआपुर के नजदीक अपराधियो ने गोली मारकर बाइक व अन्य सामान लूट लिया। जिसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। उसे अपराधियो ने सीने में गोली मारी थी। पुलिस कप्तान ने कहा है कि शीघ्र ही इस घटना का उद्भेदन किया जाएगा।

विधि व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए एसएसबी और पुलिस ने की ज्वाइंट पेट्रोलिंग

बीएनएम। बगहा

भारत-नेपाल सीमा के वाल्मीकिनगर स्थित सीमा पर सीमा सुरक्षा में तैनात एसएसबी 21 वीं वाहिनी बी कंपनी गंडक बराज और वाल्मीकिनगर पुलिस ने थाना क्षेत्र में शांति और सौहार्द तथा भयमुक्त माहौल के साथ विधि व्यवस्था को कायम रखने के उद्देश्य से मंगलवार को ज्वाइंट पेट्रोलिंग किया है।इस पेट्रोलिंग का नेतृत्व एसएसबी की ओर से एएसआई तस्वांग तासी और वाल्मीकिनगर पुलिस के एस आई विनय कुमार सिंह ने किया। इस सन्दर्भ में जानकारी देते हुए एसएसबी 21वीं वाहिनी गंडक बराज बी कंपनी के निरीक्षक पंकज कुमार ने बताया कि वाल्मीकिनगर बॉर्डर क्षेत्र होने के कारण यहां भयमुक्त माहौल ,शांति सौहार्द का माहौल बनाने के उद्देश्य से समय समय पर ज्वाइंट पेट्रोलिंग किया जाता है। इसके माध्यम से लोगों को जागरूक करते हुए पुलिस प्रशासन के साथ ताल मेल बनाने का प्रयास ग्रामीणों के साथ किया जाता है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु या असामाजिक व्यक्ति को देखते हीं इसकी सूचना पुलिस या एस एस बी को मिल सके। जिससे किसी भी प्रकार की कोई अनहोनी होने को रोका जा सके।साथ ही भारत नेपाल सीमा खुला क्षेत्र होने का लाभ लेकर कोई असामाजिक तत्व या तस्कर कोई गलत गतिविधि ना कर सके। साथ ही सीमा क्षेत्र में पैनी नजर रखी जा सके।इस अवसर पर वाल्मीकिनगर थाना के एस आई राजेश आनंद सहित पुलिस और एस एस बी के जवान मौजूद रहें।

मणिपुर के सुलगते हालात

अफसोसनाक है कि इतनी लंबी अवधि में मणिपुर के सुलगते हालात को संभालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं हुई है। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह और उनकी सरकार की तमाम नाकामियों के बावजूद उन्हें केंद्र का संरक्षण मिला रहा है। मणिपुर में हफ्ते भर के अंदर जैसी हिंसा हुई है, उनसे यह सहज सवाल उठता है कि क्या इस राज्य पर किसी का नियंत्रण नहीं है? वारदात ने जैसा मोड़ लिया है, उससे भविष्य के लिए गहरी आशंकाएं पैदा होती हैं। सोमवार को कुछ उग्रवादियों ने जिरीबाम जिले के जाकुरोदोर कारोंग में पुलिस थाने पर अंधाधुंध फायरिंग की। सुरक्षा बलों की वर्दी में आए इन उग्रवादियों ने एक सीआरपीएफ कैंप पर भी निशाना साधा। साथ ही उग्रवादियों ने पास के मार्केट में गोलीबारी की, कई दुकानों को जला डाला और कुछ मकानों को भी निशाना बनाया। उसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। उनके मुताबिक उनकी कार्रवाई में दस उग्रवादी मारे गए। जबकि कुकी-जो काउंसिल का दावा है कि मारे गए लोग ग्रामीण स्वयंसेवक थे। हमार स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने दावा किया है कि 11 हमार ग्रामीण स्वयंसेवकों को मार डाला गया है। कुकी-जो काउंसिल ने उस इलाके में मंगलवार को दिन भर के बंद का आह्वान किया है। साफ है, स्थिति सुलगी हुई है। पिछले हफ्ते जैरोन गांव में कुकी उग्रवादियों के हमले में एक महिला की जान गई थी और कई घर जला डाले गए थे। गौरतलब है कि इम्फाल घाटी में जारी हिंसा से लगभग साल भर तक जिरीबाम जिला अछूता रहा था। लेकिन गुजरे जून में एक किसान का शव मिलने के बाद से यह भी चपेट में आ चुका है। सबसे अफसोसनाक है कि इतनी लंबी अवधि में मणिपुर के सुलगते हालात को संभालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं हुई है। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह और उनकी सरकार की तमाम संदिग्ध भूमिकाओं के बावजूद उन्हें केंद्र का संरक्षण मिला रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव में राज्य की दोनों सीटों पर सत्ताधारी दल को पराजित कर जनता ने जो संदेश दिया, उससे भी सुनने या समझने का प्रयास केंद्रीय नेतृत्व ने नहीं किया। इससे धारणा बनी है कि मणिपुर के ताजा हालत सिर्फ प्रशासनिक नाकामी और अकुशलता का परिणाम नहीं हैं। शक गहराया है कि इसके पीछे अवांछित राजनीति की भूमिका भी हो सकती है। इसके हानिकारक परिणाम हमारे सामने हैं। उधर स्थितियां और भी खतरनाक मोड़ लेती दिख रही हैं।

ट्रम्प की विजय और भारत

अमेरिका में रिपब्लिकल पार्टी की ऐतिहासिक विजय के बाद अब यह तय हो गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिका का इतिहास बताता है कि ट्रम्प की यह जीत उनकी ऐतिहासिक वापसी है। अमेरिका में यह विजय किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, ज़ब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए। इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रम्प अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बना दिया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ किसी भी प्रकार से सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। हालांकि अमेरिकी मीडिया के एक वर्ग ने तो उनको भावी राष्ट्रपति के रूप में प्रचारित कर दिया। लेकिन यह नैरेटिव भी उनके लिए जीत का मार्ग नहीं बना सका। यहां एक ख़ास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया। ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके, लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी। वैश्विक राजनीति के जानकार डोनाल्ड ट्रम्प की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रम्प की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रम्प के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रम्प का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। इसका तात्पर्य यही है कि आज का भारत विश्व के लिए एक ताकत बन चुका है। अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यहां तक कि उनको सनकी और विलेन कहने में भी गुरेज नहीं किया गया। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनावों में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी आख़िरकार नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। अब ऐसा लगने लगा है कि मतदाता बहुत समझदार हो गया है। उसको किसी भी प्रकार से भ्रमित नहीं किया जा सकता। उसे अब देश दुनिया की समझ हो गई है, इसलिए वह वर्तमान के साथ कदम मिलाकर चलने की ओर अग्रसर हुआ है। विश्व के कई देश आज कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। कोरोना के बाद कई देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, उसे पटरी पर लाने के लिए उस देश की सरकार की ओर से भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। इन समस्याओं में कई समस्याएं ऐसी हैं, जो सबके सामने हैं। आतंकवाद एक विकराल समस्या बनता जा रहा है। अमेरिका भी इससे ग्रसित है। रूस और यूक्रेन की बीच तनातनी कम नहीं हो रही। इजराइल और हमास के बीच युद्ध जैसे हालात हैं। अमेरिका में ट्रम्प के पुनः राष्ट्रपति बनने के बाद यह लग रहा है कि अब आतंक के सहारे भय का वातावरण बनाने वाले किसी भी कदम को पूरे जोश के साथ रोकने का प्रयास किया जाएगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः शिक्षा के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य का निर्माण

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

हम एक ऐसी शिक्षा प्रणाली स्थापित कर रहे हैं, जिससे हमारे देश के युवाओं को विदेश जाकर शिक्षा न लेनी पड़े। हमारे मध्यम वर्ग के परिवारों को लाखों या करोड़ों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं है। इतना ही नहीं, हम ऐसे संस्थान भी स्थापित करना चाहते हैं, जो दूसरे देशों के लोगों को भारत आने के लिए आकर्षित करें। ₹ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। 29 जुलाई, 2020 को भारतीय केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) को मंजूरी दी। एनईपी का उद्देश्य इक्कीसवीं सदी की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत की शैक्षिक प्रणाली का आधुनिकीकरण करना है। अधिक समावेशी और दूरदर्शी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना है। विभिन्न योजनाएं पूरे देश में बदलाव ला रही हैं।

पीएमश्रीः 7 सितंबर, 2022 को प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम श्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया पहल को मंजूरी दी। इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार पूरे भारत में 14500 स्कूलों को मजबूत करना है। छात्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संज्ञानात्मक विकास और 21वीं सदी के कौशल को बढ़ावा देना है। इस पर 27360 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

समग्र शिक्षाः एनईपी 2020 की सिफारिशों के अनुरूप, समग्र शिक्षा योजना सभी बच्चों को एक समावेशी और न्यायसंगत सीखने के माहौल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना चाहती है जो उनकी विभिन्न क्षमतायें और आवश्यकताओं को पूरा करती है। यह प्रणाली 1 अप्रैल, 2021 को शुरू हुई और पांच साल तक चलेगी, जो 31 मार्च, 2026 को समाप्त होगी। वह विभिन्न छात्र समूहों को सक्रिय रूप से भाग लेने और अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

प्रेरणाः यह पहल कक्षा 9 वी से 12 वीं तक के चयनित छात्रों के लिए एक सप्ताह का आवासीय कार्यक्रम है। इसका लक्ष्य अत्याधुनिक तकनीक और नवाचार के संयोजन का उपयोग करके एक आकर्षक और रोमांचक सीखने का अनुभव बनाना है। प्रत्येक सप्ताह, पूरे देश से 20 छात्रों (10 लड़के और 10 लड़कियाँ) का एक समूह इस कार्यक्रम में भाग लेगा।

उल्लासः जिसे न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम (NILP) के नाम से भी जाना जाता है, भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-2027 के लिए शुरू किया गया था। यह केंद्र समर्थित प्रयास राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप है और इसका उद्देश्य 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों को सशक्त बनाना है, विशेष रूप से उन लोगों को जिन्होंने औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं की है। कार्यक्रम का उद्देश्य उनके पढ़ने के कौशल में सुधार करना है, जिससे वे समाज में बेहतर तरीके से एकीकृत हो सकें और देश के विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे सकें।

निपुण भारतः स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग ने 5 जुलाई, 2021 को निपुण भारत, रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन और न्यूमेरेसी प्रोफिशिएंसी के लिए राष्ट्रीय पहल की घोषणा की। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश का हर बच्चा बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता सीखे।

विद्या प्रवेशः कक्षा 1 के छात्रों के लिए तीन महीने के खेल-आधारित स्कूल तैयारी मॉड्यूल के लिए विद्या प्रवेश दिशा-निर्देश 29 जुलाई, 2021 को प्रकाशित किए गए थे। इस प्रयास का लक्ष्य कक्षा एक में प्रवेश करने वाले बच्चों के लिए एक सकारात्मक और स्वागत योग्य वातावरण प्रदान करना है, यह सुनिश्चित करना कि सबकुछ सुचारू रूप से चले। बदलावों को बेहतर बनाना और आनंददायक सीखने के अनुभव प्रदान करना।

विद्यांजलिः 7 सितंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्कूल स्वयंसेवक प्रबंधन कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूलों में शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार करके और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) गतिविधियों और निजी क्षेत्र से योगदान को प्रोत्साहित करके सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाना है।

दीक्षाः उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू द्वारा 5 सितंबर, 2017 को इसकी शुरुआत की गई। मंच का लक्ष्य शैक्षिक नवाचारों और प्रयोगों में तेजी लाकर शिक्षक प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास में सुधार करना है। दीक्षा राज्यों और शिक्षक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) को अपनी व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप मंच को तैयार करने की क्षमता प्रदान करती है, जिससे देशभर के शिक्षकों, शिक्षक शिक्षकों और छात्र शिक्षकों को लाभ होता है।

स्वयं प्लस का आधिकारिक उद्घाटन 27 फरवरी, 2024 को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योग-संबंधित पाठ्यक्रमों, कौशल विकास,

रोजगारपरकता और मजबूत उद्योग सहयोग के गठन के लिए एक अभिनव क्रेडिट मान्यता प्रणाली स्थापित करके उच्च शिक्षा को बदलना और रोजगार क्षमता बढ़ाना है।

निष्ठाः शिक्षा मंत्रालय ने 21 अगस्त, 2019 को निष्ठा (स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल) का उद्घाटन किया, जिसका लक्ष्य 4.2 लाख प्राथमिक शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों के पेशेवर विकास को बढ़ाना है। कोविड-19 महामारी के जवाब में निष्ठा पहल को 6 अक्टूबर, 2020 को दीक्षा मंच के माध्यम से ऑनलाइन लॉन्च किया गया था। इस सफलता के आधार पर निष्ठा 2.0 को 2021-22 में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के लिए प्रकाशित किया गया, जबकि निष्ठा 3.0, जो मौलिक साक्षरता और संख्यात्मकता पर केंद्रित है, 7 सितंबर, 2021 को जारी किया गया।

एनआईआरएफ रैंकिंगः शिक्षा मंत्रालय ने भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में 29 सितंबर, 2015 को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) जारी किया। एनआईआरएफ ने विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और अन्य संस्थानों के मूल्यांकन और रैंकिंग के लिए एक संगठित और पारदर्शी प्रणाली की स्थापना की, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया और शिक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार को आगे बढ़ाया।

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजनाः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दी है। 2024-25 से 2030-31 तक 3600 करोड़ रुपये की लागत से पीएम-विद्यालक्ष्मी को पूरी तरह से डिजिटल, पारदर्शी और छात्र-केंद्रित बुनियादी ढांचे का उपयोग करके लागू किया गया है, जिससे देश भर के छात्रों के लिए आसान पहुँच और निर्बाध अंतर-संचालन सुनिश्चित हो सके।

उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा में निवेश करें- भारत का वैश्विक नेतृत्व का मार्ग उसकी शिक्षा प्रणाली की मजबूती से जुड़ा हुआ है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और एक लचीला शिक्षण वातावरण बनाने के लिए, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग को वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में रिकॉर्ड 73,498 करोड़ आवंटित किए गए हैं। यह वित्त वर्ष 2023-24 के संशोधित अनुमान की तुलना में 12,024 करोड़ (19.56%) की पर्याप्त वृद्धि दर्शाता है, जो शिक्षा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। विशेष रूप से, प्रमुख स्वायत्त संस्थानों को सबसे अधिक आवंटन प्राप्त हुआ है, जिसमें केंद्रीय विद्यालयों (KVS) को 9302 करोड़ और नवोदय विद्यालयों (NVS) को 5800 करोड़ मिले हैं। यह पर्याप्त निवेश भारत की शिक्षा प्रणाली को और उन्नत करने के स्पष्ट इरादे को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उच्च शिक्षा विभाग का बजट आवंटन 47,619.77 करोड़ रुपये है गैर-योजना व्यय के लिए 40,131 करोड़ रुपये। 3525 करोड़ या 8%, इस आंकड़े से काफी ऊपर की वृद्धि दर्शाता है। उच्च शिक्षा में केंद्रित पहलों पर जोर देने के साथ विशेष योजनाओं के लिए आवंटन में 1140 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। शिक्षा में बाधाओं को तोड़ने, नए अवसर पैदा करने और व्यक्तियों को समाज में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सशक्त बनाने की क्षमता है। भारत का शैक्षिक परिदृश्य नाटकीय रूप से बदल गया है, जिसके परिणामस्वरूप निरंतर नवाचार और व्यापक सुधारों के माध्यम से एक मजबूत प्रणाली बन गई है।

कांग्रेस की वास्तविक मंशा जाहिर

एस. सुनील

भाजपा के पूर्व सांसद श्री किरीट सोमैया ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके यह आंकड़ा प्रस्तुत किया कि अगर इसी तरह चलता रहा तो सिर्फ 26 साल के बाद 2050 तक देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में हिंदू आबादी महज 54 फीसदी रह जाएगी। टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइसेंज की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1961 की जनगणना के मुताबिक तब के बॉम्बे में हिंदू आबादी 88 फीसदी थी, जो 2011 की जनगणना में घट कर 66 फीसदी हो गई। चाहे जिस कारण से या जिस नारे की वजह से हुआ हो लेकिन यह वास्तविकता है कि महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा का चुनाव हिंदू एकजुटता और देश की एकता व अखंडता के मुद्दे पर केंद्रित हो गया है। भाजपा विरोधी पार्टियों और कुछ सहयोगियों ने भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के दो नारों का इतनी बार जिक्र किया या इतनी तरह से व्याख्या कर दी कि आम लोगों के दिल दिमाग में यह बात बैठ गई कि अगर एक नहीं रहे तो आने वाले समय में मुश्किल होगी। उनको यह बात समझ में आई है कि देश की जनसंख्या संरचना बदल रही है, कई राज्यों में हिंदू पहले ही अल्पसंख्यक हो गए हैं, कई राज्यों में अल्पसंख्यक होने की ओर बढ़ रहे हैं, घुसपैठ की वजह से राज्यों में आदिवासी व दलित आबादी तेजी से घट रही है, व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण हो रहा है और चुनाव का असली प्रश्न 'रोटी, बेटी और माटी का है। इस क्रम में कांग्रेस और जेएमएम जैसी घनघोर तुष्टिकरण करने वाली पार्टियों के साथ साथ श्री उद्धव ठाकरे की राजनीति भी एक्सपोज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़ग़े उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नारे 'बंटेंगे तो कटेंगे का विरोध करते हुए इतने भवावेश में आ गए कि उन्होंने कह दिया कि यह साधु की नहीं, बल्कि आतंकी की भाषा हो सकती है। उनका यह बयान इतना तल्ख और संदर्भ से बाहर का था कि मुख्यमंत्री को भी उसी अंदाज में प्रतिक्रिया देनी पड़ी। उन्होंने पूछा कि मल्लिकार्जुन खड़ग़े बार बार कहते हैं कि जब वे छोटे थे तभी उनकी मां और बहन सहित परिवार के कुछ दूसरे सदस्यों को जला कर मार दिया गया था। लेकिन आज तक उन्होंने बताया नहीं कि किसने उनकी मां को जलाया था। यह बड़ा सवाल है, जिससे इतिहास के एक ऐसे अध्याय का खुलासा होता है, जो देश और समाज के माथे पर कलंक की तरह है? असल में हैदराबाद निजाम के सेना में शामिल रजाकारों ने उनकी मां और बहन को जला कर मार डाला था। खड़ग़े के बेटे और कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियंका खड़ग़े ने इशारों इशारों में एक बार इसका जिक्र किया था। असल में देश की आजादी तय होने के बाद हैदराबाद के निजाम ने भारत में शामिल होने से इनकार कर दिया था। उस समय रजाकारों ने वहां की हिंदू आबादी पर और खास कर दलितों पर बड़े अत्याचार किए थे। वे जोर जबरदस्ती दलितों को इस्लाम अपनाने के लिए बाध्य कर रहे थे। लेकिन खड़ग़े की मां और परिवार के दूसरे सदस्य बहादुर थे, जिन्होंने मर जाना कबूल किया लेकिन इस्लाम नहीं अपनाया। क्या दलितों पर मुस्लिम अत्याचार का यह अध्याय आम लोगों के सामने नहीं आना चाहिए? लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति के चलते इतिहास के इस काले अध्याय को और खड़ग़े के परिवार की महिलाओं के शौर्य की कहानियों को सामने नहीं आने दिया गया। अच्छा हुआ, जो खड़ग़े ने श्री योगी आदित्यनाथ के नारे पर सवाल उठाया और उनके परिवार के इतिहास के बहाने एक भयावह सचाई देश के लोगों के सामने आई। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पांच अक्टूबर को महाराष्ट्र में एक नारा दिया 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे । इसके बाद कई ऐसे तथ्य सामने आए, जिनसे पता चलता है कि एक नहीं रहना समूचे हिंदू समाज के लिए और व्यापक रूप से भारत की एकता व अखंडता के लिए कितना बड़ा खतरा बन सकता है। भाजपा के पूर्व सांसद श्री किरीट सोमैया ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके यह आंकड़ा प्रस्तुत किया कि अगर इसी तरह चलता रहा तो सिर्फ 26 साल के बाद 2050 तक देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में हिंदू आबादी महज 54 फीसदी रह जाएगी। टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइसेंज की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1961 की जनगणना के मुताबिक तब के बॉम्बे में हिंदू आबादी 88 फीसदी थी, जो 2011 की जनगणना में घट कर 66 फीसदी हो गई। यानी 50 साल में हिंदू आबादी 20 फीसदी घट गई। उस समय मुस्लिम आबादी आठ फीसदी थी, जो बढ़ कर 21 फीसदी हो गई है। असल में मुंबई की जनसंख्या संरचना कई कारणों से बदल रही है। बिहार, उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी का पलायन मुंबई की ओर हुआ है, जिनको वहां से मुस्लिम गैंगेस्टर्स और नेताओं की वजह से प्रश्रय मिला। इसके अलावा रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठिए भी बड़ी संख्या में मुंबई पहुंचे हैं। दूसरे राज्यों के मुसलमानों और घुसपैठियों के अलावा लव जिहाद का भी इसमें हाथ है। इस तरह बड़े व्यवस्थित तरीके से मुंबई की जनसंख्या संरचना को बदला जा रहा है। परंतु हैदराबाद के निजाम के आधिपत्य वाला इलाका या मुंबई अपवाद नहीं हैं। वहां से बहुत दूर झारखंड के संथालपरगना प्रमंडल में भी यही कहानी दोहराई जा रही है। बांग्लादेशी घुसपैठियों से जुड़े एक मसले पर केंद्र सरकार ने पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया, जिसमें बताया गया है कि संथालपरगना की पूरी जनसंख्या संरचना बदल गई है। पहले वहां आदिवासियों की आबादी 44 फीसदी थी, जो अब घट कर 28 फीसदी रह गई है। यानी इसमें 16 फीसदी की कमी आई है। इसके मुकाबले संथालपरगना के छह जिलों में 20 से 40 फीसदी तक मुस्लिम आबादी बढ़ी है। पाकुड़ और साहिबगंज जिलों में यह प्रतिशत और ज्यादा है। पाकुड़ से कांग्रेस के विधायक आलमगीर आलम हैं, जो अभी जेल में बंद हैं। उनके निजी सचिव के नौकर के यहां से ईडी ने 25 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की थी। उस पूरे इलाके में सारा खेल बालू, पत्थर से लेकर मवेशी और इंसानों की तस्करी का चल रहा है, जिसके पीछे कांग्रेस और जेएमएम के लोग हैं। यह भी हैरान करने वाली बात केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में बताई है कि इसाइयों की संख्यों में छह हजार गुना तक बढ़ोतरी हुई है। एक तरफ आदिवासी आबादी का अपने मूल स्थान से पलायन हो रहा है और दूसरी ओर व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण हो रहा है। भारत के सॉलिसीटर जनरल श्री तुषार मेहता ने संथालपरगना की स्थिति को 'अलार्मिंग यानी चिंताजनक बताया। पिछले अनेक बरसों से कांग्रेस और जेएमएम ने अपनी वोट बैंक की राजनीति के तहत घुसपैठियों को बसाया और धर्मांतरण होने दिया।

शब्द सामर्थ्य -241

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 240 का हल

प	सं	द		सिं	हा	स	न	
ख		म	ज	दू	र		का	म
वा	द	क		र		सं	ब	ल
इ		ल	ज्जा		म	स्का		य
	बा			वि	हा	र		
सु	धा	क	र		न			औ
रं		म		कि	ता	ब		स
ग		अ	र	सा		हु	ज्ज	त
	श	क्ल		न	मि	त		न

मेष राशि-आज आपको ऑफिस में अपने आसपास के लोगों से थोड़ा संभलकर रहने की जरूरत है। वे आपका काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। आज किसी भी काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर रहेगा। आप अपने जीवनशैली में कुछ बदलाव करेंगे, ये बदलाव आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बिजनेस में आपको विरोधियों से बचकर रहना चाहिए। खुद को फिट रखने के लिए आपको योग करना चाहिए।

वृष राशि-आज कारोबार से जुड़े रुके हुए जरूरी काम पूरे होने की संभावना है। लोगों से कुछ नई बात सीखेंगे। जीवनसाथी की अपेक्षाएं पूरी होगी। आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपको किसी अजनबी लोगों पर भरोसा करने से बचना चाहिए। आपको अपनी योजनाओं के प्रति गोपनीयता बनाएं रखने की जरूरत है। मित्रों से मिलने उसके घर जाएंगे, जिससे आपकी दोस्ती और भी अधिक मजबूत होगी।

मिथुन राशि-आज आप किसी नए काम को करने की सोचेंगे। करियर के मामले में चीजें बेहतर होने के आसार हैं। आज सेहत के प्रति आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। फ़ास्ट फ़ूड खाने से आपको बचना चाहिए। किसी बड़ी डील को करने से पहले आपको सोच-समझकर ही आगे बढ़ना चाहिए। बिजनेस में नए लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा।

कर्क राशि-आज कुछ ऐसे लोगों से मुलाकात होगी, जो आपके करियर के लिए मददगार रहेंगे। आप परिवार वालों की इच्छा पूरी करेंगे, जिसमें आपको सफलता मिलेगी। आज आपके कुछ नए दोस्त बनेंगे। आपको कुछ नये बिजनेस प्रपोजल मिल सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्तों में मधुरता बरकरार रहेगी। थोड़ी मेहनत से आपको किसी काम में सफलता मिलेगी। आज आपकी सकारात्मक सोच हितकर साबित होगी।

सिंह राशि-आज इनकम के नए सोर्स प्राप्त होंगे। आपको व्यापार में उम्मीद से कुछ कम ही लाभ होगा। कुछ मामलों में साथ काम करने वाले लोगों से सहयोग नहीं मिल पायेगा। आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए कोशिश करेंगे। आज ऑफिस में काम का बोझ थोड़ा बढ़ सकता है। अपने काम में जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

कन्या राशि-आज आपको कोई अच्छी खबर मिलेगी। ऑफिस में कोई नया काम मिलेगा, जिसे आप पूरा करने में सफल रहेंगे। शाम को परिवार वालों के साथ मौज-मस्ती में समय बिताएंगे, जिससे पारिवारिक जीवन खुशहाल बनेगा। माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जाने का प्लान करेंगे। प्लान सफल रहेगा।

तुला राशि-आज किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल बनेगा। आज आपकी मुलाकात कुछ खास लोगों से होगी। आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। आप अपने लक्ष्य के बारे में विचार करेंगे।

वृश्चिक राशि-आज जीवनसाथी के साथ समय बितायेंगे। कार्यक्षेत्र में लोगों से पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त होगा। आज इनकम के नए रास्ते खुलेंगे। बच्चे माता-पिता के साथ मंदिर जाएंगे। बायोलॉजी स्टूडेंट्स के लिए दिन बेहतर रहने वाला है। आज किस्मत आप पर मेहरबान रहेगी। आपको अचानक से कुछ ऐसा हासिल हो सकता है, जिसकी आपको बहुत दिनों से तलाश थी।

धनु राशि-आज आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। खासतौर पर साइंस से जुड़े छात्रों के लिए फायदेमंद रहेगा। माता-पिता के साथ रिश्ता बेहतर होंगे। आज कोई बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ होने की संभावना है। आप परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए किसी ट्रिप का प्लान बनायेंगे। व्यापारी वर्ग को अचानक से कोई बड़ा धन लाभ हो सकता है, जिससे उनकी आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा और भी मजबूत होगा।

मकर राशि-आज आय के नए स्रोत सामने आयेंगे। ऑफिस में किसी बड़े अधिकारी का सहयोग प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता आयेगी। सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स के लिए दिन बेहतरीन रहने वाला है। आपको लाभ के कुछ अवसर प्राप्त होंगे। सुबह उठकर जॉगिंग पर जाने से दिनभर खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

कुंभ राशि-आज दोस्त आपसे किसी काम के लिए मदद मांग सकते हैं। परिवार में आपके गुणों की प्रशंसा होगी। किसी नयी तकनीक के द्वारा आपके व्यापार में वृद्धि होने की संभावना है। साथ ही उत्पादन कार्य भी बढ़ सकता है। अपने पार्टनर के साथ आप डिनर करने का प्रोग्राम बनायेंगे।

मीन राशि-आज किसी जरूरी काम में आपको भाई-बहन का सपोर्ट मिलेगा। अपने परिवार वालों के साथ आप कुछ बेहतरीन पलों का आनंद उठायेंगे। आज आप खुद को उर्जावान महसूस करेंगे। करियर में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। हर जगह आपकी प्रसंशा होगी। बिजनेस के लिहाज से की गई यात्राएं आपके लिए लाभकारी होगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल नीलामी में पंजाब किंग्स के पास है सबसे अधिक रकम

बड़े खिलाड़ियों को खरीदने का सबसे अच्छा अवसर

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए जेद्दा में 24 और 25 नवंबर को होने वाली मेगा नीलामी में खिलाड़ियों पर पैसे की बरसात होगी। दो दिन चलने वाली ये नीलामी भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे से शुरू होगी। इस नीलामी में 574 खिलाड़ियों पर दस टीमें बोली लगाएंगी। इस बार सभी 10 टीमों की रकम को मिलकर देखा जाये तो वह कुल 641 करोड़ रुपये होती हैं वहीं इन सभी टीमों को कुल 204 खिलाड़ी खरीदने हैं। ऐसे में बड़े खिलाड़ियों को खासा फायदा होगा। हर फ्रेंचाइजी के पास अपनी टीम बनाने के लिए कुल 120 करोड़ रुपये का पर्स है। रिटेंशन के बाद पंजाब किंग्स के पास पर्स में मेगा नीलामी में खर्च करने के लिए सबसे ज्यादा 110.5 करोड़ रुपये बचे हैं। ऐसे में

उसके पास पसंदीदा खिलाड़ियों को खरीदने का अच्छा अवसर है क्योंकि उसके पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए पैसों की कोई कमी नहीं रहेगी। वहीं अन्य फ्रैंचाईजियों की स्थिति ऐसी नहीं है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास 83 करोड़, दिल्ली कैपिटल्स के पास 73 करोड़, गुजरात टाइटन्स के पास 69 करोड़, लखनऊ सुपर जायंट्स के पास 69 करोड़, चेन्नई सुपर किंग्स पास 55 करोड़, कोलकाता नाइट राइडर्स के पास 51 करोड़, मुंबई इंडियंस के पास 45 करोड़, सनराइजर्स हैदराबाद के पास 45 करोड़ और राजस्थान रॉयल्स (RR) के पास सबसे कम 41 करोड़ रुपये शेष है। इसका कारण है कि पंजाब ने रिटेंशन में तीन खिलाड़ियों को ही कम रकम देकर रख जबकि अन्य टीमों ने रिटेशन में काफी पैसा दिया। . ऐसे में इसबार नीलाम में श्रेयस अय्यर, आर अश्विन,ऋषभ पंत, केएल राहुल, मोहम्मद शमी, और युजवेंद्र चहल जैसे बड़े खिलाड़ियों को मोटी रकम मिलना तय है। ये सभी 2 करोड़ रुपये आधारमूल्य वाले हैं। इसके अलावा विदेशी खिलाड़ियों ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, जोस बटलर, डेविड वॉर्नर, जेम्स एंडरसन, ट्रेंट बोल्ट, फाफ डु प्लेसिस पर भी टीमों की नजरें रहेंगी। स्टार्क 2024 में आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे हैं। इस बार उनका आधारमूल्य 2 करोड़ है। वहीं शमी ने भी 2 करोड़ रुपये का आधारमूल्य रखा है।

अश्विन का मुकाबला बल्लेबाजी में सक्रिय रवैया अपनाकर करुंगा : स्मिथ

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि भारतीय टीम के स्पिनर आर अश्विन बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में खतरनाक हो सकते हैं। ऐसे में अश्विन को रोकने के लिए उन्होंने विशेष रणनीति बनायी है। स्टीव ने कहा कि वह अश्विन के सामने दबाव में आने से बचने के लिए सक्रिय रवैया अपनाएंगे। अश्विन ने ही पिछली सीरीज में स्मिथ को तीन बार आउट किया था। ऐसे में वह इस बार उनके सामने कोई गलती नहीं करना चाहते हैं। साल 2023 में भी स्मिथ को अश्विन ने दो बार आउट किया था। तब स्मिथ केवल 22 रन ही बना पाये थे। स्मिथ ने कहा, 'अश्विन का मुकाबला करते समय आपको मानसिक चुनौती से निपटना होता है। सीरीज की शुरुआत में अगर कोई एक दबदबा बनाने में सफल रहा तो वह हावी हो सकता है।' स्टीव ने कहा, 'मुझे अपनी ही धरती पर ऑफ स्पिन के खिलाफ आउट होना पसंद नहीं है। अश्विन हालांकि बहुत अच्छा गेंदबाज है और उसकी योजनाएं शानदार होती है। कुछ अवसरों पर वह मुझ पर दबदबा बनाने में सफल रहा। वहीं सिडनी क्रिकेट मैदान में मैं

सक्रिय रवैया अपनाकर उस पर हावी होने में सफल रहा था। इसलिए इस बार भी मैं उसके खिलाफ सक्रिय बल्लेबाजी कर लय हासिल करने से रोकने का प्रयास करुंगा। 'गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया में अश्विन टेस्ट गेंदबाजी औसत 42.15 है जबकि उनका घरेलू औसत 21.57 है। स्मिथ को उम्मीद है कि वह पर्थ में शुरू होने वाली पांच मैचों की सीरीज में अश्विन के खिलाफ शुरुआती बढ़त हासिल करने में सफल रहेंगे। वहीं अश्विन भी ये सब जानते हैं और उन्होंने भी हाल ही में कहा था कि उन्होंने स्मिथ के खिलाफ कुछ योजनाएं बनाई है। अश्विन ने हाल में कहा था कि 'स्मिथ स्पिन के खिलाफ एक खिलाड़ी के रूप में विशेष रूप से आकर्षक हैं। उनके पास एक अच्छी तकनीक है, यहां तक कि तेज गेंदबाजी को खेलने की भी पर स्पिन के मामले में मुझे लगता है कि वह अच्छी रणनीति और अच्छी तैयारी के साथ उतरना है पर पिछले कुछ वर्षों में मैंने इसे समझने के तरीके और साधन खोज लिए हैं।'

टी20 में बुमराह की बराबरी पर है शम्सी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अभी विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक माने जाते हैं। बुमराह के सभी प्रारुपों में काफी अच्छे आंकड़े हैं और कठिन हालातों में विकेट निकालने में वह माहिर माने जाते हैं। वहीं अगर रिकार्ड की बात करें तो टी20 प्रारुप में एक गेंदबाज उनकी बराबरी पर हैं और उन्हें कड़ी टक्कर भी दे रहे हैं। यह गेंदबाज और कोई नहीं दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर तबरेज शम्सी हैं। शम्सी ने बुमराह के बराबर ही मैच खेले हैं और दोनों के ना केवल विकेट बराबर हैं, बल्कि दोनों ने गेंदें भी बराबर ही फेंकी हैं। शम्सी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया , ' हैरानी की बात है कि बुमराह और मैंने एक बराबर टी20आई मैच खेले हैं। दोनों ने एक बराबर गेंदें फेंकी हैं और एक बराबर विकेट भी लिए

हैं। क्या गजब बात है।' बुमराह ने 70 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। उन्होंने इन मैचों में 1509 गेंदें फेंकी हैं और 89 विकेट लिए हैं। वहीं स्पिनर शम्सी ने भी 70 टी20आई मैच में 1509 गेंद फेंककर 89 विकेट ही लिए हैं। बुमराह आजकल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं और 22 नवंबर से होने वाले पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में अपने रिकार्ड को और बेहतर करेंगे। उन्होंने अब तक 40 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें 173 विकेट लिए हैं। वहीं एकदिवसीय मैचों में उनके नाम 89 मैच में 149 विकेट हैं जबकि तबरेज शम्सी ने दो टेस्ट में 6 और 51 एकदिवसीय में 72 विकेट हैं।

सीमिंग ऑलराउंडर के तौर पर नितीश को मिल सकता है अवसर

पर्थ। भारतीय टीम मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट की तैयारियों में लगी है। इसके लिए भारतीय टीम में युवा ऑलराउडर नितीश रेड्डी को अवसर मिल सकता है। टीम में इस समय दो अनुभवी आलराउंडर आर अश्विन और रवीन्द्र जडेजा है पर ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर मजबूती देने के लिए सीमिंग ऑलराउंडर के तौर पर नितीश को जगह मिल कसती है। पर्थ में चल रहे अभ्यास सत्र में टीम प्रबंधन सभी खिलाड़ियों पर गंभीरता से नजर रख रहा है पर नितीश से नई और पुरानी गेंद के साथ साथ जिस प्रकार से गेंदबाजी और इसके बाद नेट्स पर बल्लेबाजी करायी जा रहा है उससे साफ है कि नितीश को पहले टेस्ट के लिए अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। नितीश को नेट्स में रफ़्तार के साथ अच्छी उछाल मिल रही है और वह स्टीक गेंदबाज़ी भी करते नज़र आए जिससे टीम

प्रबंधन प्रभावित है। इस प्रकार ये युवा क्रिकेटर अपनी गेंदबाज़ी और बल्लेबाज़ी से ऑलराउंडर की जगह भर सकते हैं। नितीश ने बांग्लादेश के खिलाफ पिछले सीरीज टी20 में डेब्यू के बाद से ही काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। नीतीश ने अभी तक 23 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं। उन्होंने इस दौरान 779 रन बनाए हैं। नीतीश ने इस दौरान एक शतक और 2 अर्धशतक लगाए हैं। वे फर्स्ट क्लास मैचों में 56 विकेट भी ले चुके हैं। उनका एक मैच में 119 रन देकर 8 विकेट लेना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। इसके अलावा लिस्ट ए के 22 मैचों में 403 रन बनाए हैं। वे इस फॉर्मेट में 14 विकेट ले चुके हैं।

जिम्बाब्वे दौरे पर नये कोच अकीब जावेद के साथ जाएगी पाक टीम

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम आगामी जिम्बाब्वे दौरे पर नये कोच के साथ जाएगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को बड़ी मुश्किल के बाद नया कोच मिला है। पीबीबी के खराब रवैये को देखते हुए कोई भी कोच बनने को तैयार नहीं हो रहा था। बड़ी मुश्किलों के बाद पूर्व क्रिकेटर अकीब जावेद कोच बनने तैयार हुए हैं। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका के गैरी कर्स्टन के सीमित ओवरों के कोच पद से इस्तीफा के बाद से ही पीसीबी नये कोच की तलश में था क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के जेसन गिलेस्पी ने ये जिम्मेदार लेने से इंकार कर दिया था। गिलेस्पी की कोचिंग में ही पाक ने हाल में ऑस्ट्रेलिया में एकदिवसीय सीरीज जीती है। नये कोच बन रहे अकीब टीम के चयनकर्ता भी हैं। आकिब शुरुआत में कोच नहीं बनाना चाहते

थे पर पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने उन्हें किसी प्रकार से पद संभालने तैयार किया। पाकिस्तान टीम 24 नवंबर से पांच दिसंबर के बीच तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों के लिए जिम्बाब्वे की यात्रा करेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार अकीब शुरुआत में टीम के कोच की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार नहीं थे पर पीसीबी प्रमुख की बात अंत में उन्हें माननी पड़ी। पाकिस्तानी टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम मैच समाप्त होने के बाद हरारे जाएगी। ऐसे में नए मुख्य कोच जिम्बाब्वे में उनके साथ जुड़ेंगे। ' जावेद अभी सीनियर राष्ट्रीय चयनकर्ता हैं। उन्हें पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में लाहौर कलंदर्स के साथ कोचिंग का काफी अनुभव है। वह हाल ही में श्रीलंका के गेंदबाजी कोच भी थे। आकिब पूर्व में भी पाक के गेंदबाजी कोच और अंडर-19 टीम के मुख्य कोच रहे हैं।

व्यापार

पुणित गोयनका ने ज़ी-एंटरटेनमेंट के एमडी पद से दिया इस्तीफा, कंपनी ने बनाया सीईओ

नई दिल्ली। पुणित गोयनका ने ज़ी-एंटरटेनमेंट के एमडी पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने उन्हें मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बनाया है। कंपनी ने 18 नवंबर को कारोबार की समाप्ति पर उनके इस्तीफे को मंजूर की लिया और उसी दिन सीईओ के तौर पर उनकी नियुक्ति भी कर दी। ज़ी-एंटरटेनमेंट ने जानकारी दी कि कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) मुकुंद गलगली को डिप्टी सीईओ बनाया है। यह बदलाव कंपनी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया है। पुणित गोयनका की नई भूमिका उनकी मौजूदा फुल-टाइम नौकरी जैसी ही होगी। हालांकि, उनके वेतन का 40 फीसदी वेरिएबल हिस्सा उन्हें केवल कुछ विशेष लक्ष्यों को पूरा करने पर ही दिया जाएगा। इस वेतन की अधिकतम

सीमा बोर्ड द्वारा तय की गई है। ज़ी-एंटरटेनमेंट के मुताबिक इस कदम के ज़रिए गोयनका कंपनी के प्रदर्शन और मुनाफे को बेहतर करने पर पूरी तरह ध्यान देंगे। यह फैसला बोर्ड और नामांकन व वेतन समिति की 15 नवंबर 2024 की बैठक में लिया गया। बोर्ड ने कहा कि पुणित गोयनका कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सक्षम हैं। ज़ी-एंटरटेनमेंट ने कहा कि कंपनी मजबूत स्थिति में है और अपने भविष्य के लिए ठोस नींव तैयार करने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। यह तय करने के लिए कि हमारे लक्ष्य पूरे हों, संचालन स्तर पर ज्यादा समय और ऊर्जा की जरुरत है। पुनीत गोयनका, जो मीडिया दिग्गज सुभाष चंद्रा के बेटे हैं, उन्होंने कंपनी के संचालन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सीईओ के रूप में फिर से नियुक्ति की मांग की है। ज़ी-एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड बोर्ड ने 18 अक्टूबर को गोयनका को 5 साल के लिए फिर से सीईओ बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। यह कार्यकाल 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2029 तक रहेगा। हालांकि, यह नियुक्ति कंपनी के शेयरहोल्डर्स की 28 नवंबर को होने वाली एनुअल जनरल बैठक में मंजूरी के लिए रखा जाएगा। पिछले हफ्ते बोर्ड ने पुनीत गोयनका के प्रदर्शन के लिए नए और ऊंचे लक्ष्यों को तय किया। विगत दिवस बैठक में बोर्ड ने अगले चार तिमाहियों के लिए समेकित राजस्व और कमाई का लक्ष्य तय किए। साथ ही कंपनी के समेकित शुद्ध लाभ का 25 फीसदी डिविडेंड के रूप में शेयरहोल्डर्स को देने का लक्ष्य तय किया गया है।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी दर्ज की गयी है। सुबह सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी रही। सुबह सोने के वायदा भाव 75,400 रुपये के करीब जबकि चांदी के वायदा भाव 91,050 रुपये के करीब थे। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में तेजी आई। सोने का वायद बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध एमसीएक्स पर आज 153 रुपये की तेजी के साथ 75,200 रुपये के भाव पर खुला। यह अनुबंध 355 रुपये की तेजी के साथ 75,402 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एक समय ये 75,429 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 75,200 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 79,775 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत

भी बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 235 रुपये बढ़कर के 90,748 रुपये पर खुला। एक समय ये अनुबंध 552 रुपये की तेजी के साथ 91,065 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 91,100 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 90,748 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। इस साल चांदी के वायदा भाव 1,00081 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स में सोना 2,616.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,614.60 डॉलर प्रति औंस था। दसके अलावा कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.24 डॉलर के भाव पर खुले, इसका पिछला बंद भाव 31.22 डॉलर था।

शेयर बाजार तेजी के साथ खुला

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ खुला। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनियां भर से मिले मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से हुआ है। सुबह कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स 266 अंकों की बढ़त के साथ 77,605 पर कारोबार करता दिखा, जो 0.34 फीसदी की बढ़त दिखात है जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 83.70 अंकों तकरीबन 0.36 फीसदी की तेजी के साथ 23,537 का स्तर पर पहुंच गया। सुबह 6:35 बजे, गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स 30 अंकों की बढ़त के साथ 23,544 पर कारोबार करते दिखे, जिससे बाजार की शुरुआत सपाट रहने की उम्मीद है। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज निवेशकों का ध्यान एनटीपीसी ग्रीन आईपीओ और दूसरी तिमाही के बचे हुए परिणामों

पर रहेगा। एशियाई बाजारों की शुरुआत आज अच्छी रही। इसका कारण वॉल स्ट्रीट पर आई तेजी और हांगकांग में चल रहे निवेश शिखर सम्मेलन को दिया जा रहा है। एशियाई बाजारों में निक्केई 0.68 फीसदी, टॉपिक्स 0.65 फीसदी और एएसएक्स 200 0.53 फीसदी ऊपर कारोबार करते नजर आए। वहीं, कोस्पी और कोसडेक में सपाट कारोबार हुआ। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस मिश्रित रुख पर बंद हुआ। नेस्डेक में 0.6 फीसदी की बढ़त रही, जिसमें टेस्ला के शेयरों की सबसे अधिक भूमिका रही। वहीं एसएंडपी 500 ने 0.39 फीसदी की बढ़त आई। डाओ जोंस में 0.13फीसदी की गिरावट आई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को लगातार सातवें दिन गिरावट के साथ बंद हुए।

रुपया 84.07 पर खुला

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 84.07 पर खुला। इससे पहले सोमवार को रुपया पांच पैसे की बढ़त पर बंद हुआ। गत दिवस सुबह विदेशी पूंजी की निकासी के बाद भी रुपया 84.38 प्रति डॉलर पहुंच गया था। यह निम्नतम स्तर से ऊपर उठकर आठ पैसे की बढ़ोतरी

दिखाता है। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने बताया कि तेल की कीमतों में गिरावट के कारण ही मुद्रा में सुधार आया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपया 84.42 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 84.38 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इस बढ़ोतरी के बावजूद रुपया गुरुवार को 84.46 पर बंद हुआ था। वहीं अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 106.68 पर रुका। विदेशी संस्थागत निवेशक एफआईआई ने गुरुवार को 1,849.87 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जो दिखाता है कि वे बाजार में बिकवाल रहे। विदेशी मुद्रा बाजार में निर्धारित संबंधों के बावजूद, रुपया ने एक मजबूत प्रदर्शन किया और अमेरिकी डॉलर को मुकाबले काफी मजबूती दिखाई।

रियलमी जीटी 7 प्रो की डिस्प्ले तकनीक मिल का पत्थर साबित

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी रियलमी ने डिस्प्ले इनोवेशन की सीमाओं को आगे बढ़ाया है और अब उसने जीटी 7 प्रो स्मार्टफोन के साथ एक नई दिशा में कदम बढ़ाया है। रियलमी जीटी 7 प्रो की डिस्प्ले तकनीक स्मार्टफोन के लिए एक मील का पत्थर साबित हो रही है। यह तकनीक पहले केवल सैमसंग के महंगे फोल्डेबल स्मार्टफोन में ही देखने को मिलती थी, लेकिन अब रियलमी ने इसे प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में पेश किया है, जो विजुअल तकनीक के नए मानक स्थापित कर रहा है। इसके डिस्प्ले में रियलवर्ल्ड इको² तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो पोलराइज़र के बिना पहला स्मार्टफोन डिस्प्ले है। इस स्मार्टफोन की डिस्प्ले में 120 प्रतिशत डीसीआई-पी3 कलर गैमट का समर्थन किया गया है, जो प्रोफेशनल मॉनिटर्स से भी बेहतर है। इसके कारण हर फोटो, वीडियो और एनीमेशन को अत्यधिक

जीवंत और रंगीन बनाया जाता है। 6500 निट्स की पीक ब्राइटनेस के कारण स्क्रीन धूप में भी पूरी तरह से स्पष्ट दिखाई देती है, जिससे बाहर फोटोग्राफी और नेविगेशन करना बहुत आसान हो जाता है। गेमिंग के शौकिनों के लिए इस डिस्प्ले में 120 एफपीएस की क्षमता और वन पॉइंट फाइव रिज़ॉल्यूशन उपलब्ध है, जिससे फास्ट-पेस्ड गेम्स जैसे पबजी और रेसिंग गेम्स का अनुभव बेहद स्मूथ और इमर्सिव होता है। रियलमी जीटी 7 प्रो की डिस्प्ले तकनीक का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी प्रदर्शन और दक्षता का अनोखा संतुलन है। रियलमी और सैमसंग द्वारा विकसित इको ओलेड प्लस तकनीक ने बिजली की खपत को 52 प्रतिशत तक कम कर दिया है, जबकि दृश्य गुणवत्ता को बरकरार रखा है। इससे उपयोगकर्ता बिना बैटरी की चिंता किए लंबे समय तक स्ट्रीमिंग या गेमिंग का आनंद ले सकते हैं। पोलराइज़र लेयर को हटाने से न सिर्फ पावर की बचत होती है, बल्कि स्क्रीन की रोशनी और स्पष्टता भी बढ़ जाती है, जिससे रोजमर्रा के इस्तेमाल में डिस्प्ले और भी चमकदार और साफ दिखाई देती है।

एनबीके 109 के शीर्षक से उठा पर्दा

नंदामुरी बालकृष्ण की फिल्म डाकू महाराज का धमाकेदार टाइटल टीजर रिलीज

अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म एनबीके 109 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर आए दिन नई जानकारियां सामने आ रही हैं। वहीं, अब आखिरकार निर्माताओं ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म का टाइटल टीजर जारी कर दिया है। इसके साथ ही वीडियो में अभिनेता की दमदार झलक भी देखने को मिली। नंदमुरी बालकृष्ण की नई फिल्म एनबीके 109 के निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल टीजर जारी किया। फिल्म के पहले लुक वीडियो में नंदमुरी बालकृष्ण को एक डाकू के अवतार में दिखाया गया है और इसलिए इसका शीर्षक डाकू महाराज रखा गया है। अगले साल संक्रांति पर बड़ी रिलीज के रूप में आने वाली यह फिल्म एक ऐसे राजा की कहानी है, जिसने बिना किसी राज्य के लड़ाई लड़ी। यह एक ऐसे व्यक्ति की भी कहानी है, जिसे मृत्यु को भी हिला देने वाले सम्राट के रूप में सम्मानित किया गया। फिल्म का निर्माण करने वाली आधिकारिक प्रोडक्शन कंपनी सीथारा एंटरटेनमेंट्स ने ट्विटर पर फर्स्ट लुक वीडियो साझा किया और नंदामुरी बालकृष्ण को डाकू महाराज के रूप में पेश किया। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में रवि किशन और बॉबी देओल बतौर खलनायक नजर आएंगे, जिसकी झलक टीजर में भी देखने को मिली। टीजर में निर्देशक की ख़ुद की आवाज भी शामिल है, जिसमें मुख्य खलनायकों को एक-एक करके पेश किया गया है। रवि किशन और बॉबी देओल स्टाइलिश अंदाज में दिखाई देते हैं, इसके बाद यह खुलासा होता है कि फिल्म की कहानी इन गुंडों के बारे में नहीं है, बल्कि उन्हें नियंत्रित करने वाले के बारे में है। इसके बाद बालकृष्ण घोड़े पर सवार होकर बहादुरी के साथ प्रवेश करते हैं और खुद को डाकू महाराज के रूप में पेश करते हैं। रवि किशन का भी खलनायक अवतार दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। हालांकि, टीजर से पहले निर्माताओं ने पोस्टर जारी कर बॉबी या रवि के लुक का खुलासा ही किया था। डाकू महाराज में जिन अन्य सितारों को कास्ट किया गया है, उनमें उर्वशी रौतेला, चांदनी चौधरी, प्रज्ञा जायसवाल और श्रद्धा श्रीनाथ शामिल हैं। फिल्म का संगीत एस थमन ने दिया है, जबकि इसे बॉबी कोल्ली ने लिखा और निर्देशित किया है। डाकू महाराज 12 जनवरी 2025 को स्क्रीन पर आएगी।

तृप्ति डिमरी ने रेड आउटफिट में गिराई बिजली

एक्ट्रेस की कातिल अदाओं ने फैंस को बनाया दीवाना

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिसमें वह रेड आउटफिट में कहर ढाती नजर आ रही हैं. तृप्ति ने इस लुक में एक रेड लेदर बॉडीकॉन ड्रेस पहनी है, जो उनकी स्टाइल को और भी ग्लैमरस बना रही है. लाइट मेकअप, खुले बाल और स्टाइलिश ईयररिंग्स के साथ तृप्ति ने कई कातिलाना पोज़ दिए हैं, जो फैंस को दीवाना बना रहे हैं. तृप्ति के इस हॉट लुक को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस की जमकर प्रतिक्रिया आ रही है. उनके फॉलोअर्स कमेंट्स में दिल और फायर इमोजी के साथ उनकी तारीफ कर रहे हैं. तृप्ति का ये लुक और उनकी कातिल अदाएं फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रही हैं. इस ड्रेस में तृप्ति का कॉन्फिडेंस और उनकी अदा वाकई में काबिल-ए-तारीफ है. उनके स्टाइल और पर्सनालिटी के इस अनोखे मेल ने फैंस को एक बार फिर से उनका दीवाना बना दिया है. हाल ही में, त्रिप्ति ने स्लीवलेस मिनी ड्रेस में भी सबका ध्यान खींचा, जिसे सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट लक्ष्मी लेहर द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में दिखाया गया था। इस शानदार ड्रेस में डीप प्लंजिंग नेकलाइन, प्लीटेड डिटेलिंग और बैकलेस डिज़ाइन था, जो उनके आकर्षक लुक को और भी निखार रहा था। उन्होंने इस आउटफिट को व्हाइट टेक्सचर्ड हाई हील्स और स्टेटमेंट रिंग के साथ पूरा किया। अपने बेहतरीन फैशन सेंस के साथ, त्रिप्ति डिमरी लगातार ट्रेंड सेट करती रहती हैं और प्रशंसकों को प्रेरित करती रहती हैं। उनकी बोल्ड रेड लेटेक्स ड्रेस और शानदार मिनी ड्रेस लुक्स ने उन्हें स्टाइल आइकन के रूप में स्थापित किया है।

हुमा कुरैशी ने अनाउंस की महारानी 4, सीरीज को दिया सक्सेस का क्रेडिट

हुमा कुरैशी की पॉलिटिकल ड्रामा वेब सीरीज महारानी को दर्शकों ने काफी पसंद किया. सोनी लिव पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज के अब तक तीन सीजन आ चुके हैं. वहीं अब फैंस महारानी के चौथे सीजन का इंतजार कर रहे थे और इसी बीच हुमा कुरैशी ने सीरीज का चौथा सीक्वल अनाउंस कर दिया है. हुमा कुरैशी ने साल 2012 में आई फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से बॉलीवुड डेब्यू किया था. इसके बाद

उन्होंने डेढ़ इश्कियां, तरला, एक थी डायन और डबल एक्सेल जैसी फिल्मों में काम किया. लेकिन उन्हें जो पहचान महारानी जैसी वेब सीरीज से मिली, वो फिल्मों से हासिल ना हो सकी. इस बारे में खुद एक्ट्रेस ने खुलकर बात की है. हुमा कुरैशी ने कहा- एक इंडस्ट्री के तौर पर अब समय आ गया है कि हम अपने अंदर देखें और सोचें कि हम अपनी कहानियों को अलग तरीके से कैसे बता सकते हैं. दर्शक हमसे क्या उम्मीद कर रहे हैं या वे किसके लिए तैयार हैं. मैं स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स, बड़ी फिल्मों और इंडी फिल्में मिलाकर रही हूं. मुझे यही करना पसंद है, हर जगह अपना दांव लगाना. हुमा कुरैशी ने अपनी पॉपुलर सीरीज महारानी को अपनी सक्सेस का क्रेडिट दिया. वे कहती हैं- मैं महारानी से पहले और बाद में अपने करियर को साफ तौर पर डिफाइन कर सकती हूं. ये वो शो था जहां लोग खड़े हुए और मेरी काबिलियत पर ध्यान दिया. इसकी सफलता ने लोगों को उन रोल्स में मेरी कल्पना करने पर मजबूर कर दिया जो वे पहले नहीं कर पाते थे. और अब, महारानी का सीजन 4 आने वाला है. इस दौरान हुमा कुरैशी ने ओटीटी पर अपनी कामयाबी और ओटीटी सिनेमाघरों से ज्यादा क्यों कर रहा है, इसपर भी बात की. उन्होंने कहा- ओटीटी एक बटन के टैप पर एंटरटेनमेंट देता है और ये बहुत बड़ी ताकत है. लेकिन मुझे लगता है कि ये एक अलग तरह के कंटेंट के लिए है. कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें बड़े पर्दे पर उसी तरह एक्सपीरियंस किया जाना चाहिए जिस तरह से उन्हें फिल्माया गया हो. ये सेब और संतरे की तरह है, उनका मुकाबला नहीं करना चाहिए. दोनों माध्यम अलग-अलग एक्सपीरियंस के लिए हैं.

कुबेर की पहली झलक आई सामने, धनुष-नागार्जुन की जोड़ी ने मचाया धमाल

धनुष-नागार्जुन की मोस्ट अवेटेड कुबेर की पहली झलक फाइनली सामने आ गई है. इसमें रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ को भी देखा जा सकता है. कुबेर में रश्मिका धनुष, मंदाना, नागार्जुन अक्किनेनी और जिम सर्भ जैसे टैलेंटेड कलाकार हैं. फिल्म 31 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. उसके पहले मेकर्स

फिल्म से अपडेट शेयर करते हुए फैंस की एक्साइटमेंट बरकरार रख रहे हैं. अभी तक मेकर्स ने फिल्म के पोस्टर ही रिलीज किए थे लेकिन अब उन्होंने 51 सेकंड का शानदार वीडियो शेयर करते हुए फिल्म से पहली झलक फैंस को दिखा दी है. दर्शक कुबेर की पहली झलक का लंबे वक्त से इंतजार कर रहे थे वहीं अब इसकी झलक सामने आ गई है. जिसमें धनुष और नागार्जुन कमाल के लग रहे हैं. हालांकि उनके एक्सप्रेशन और लुक इंटेंस ही हैं लेकिन स्क्रीन पर उनकी प्रेजेंस जादू बिखेर रही है. इसी बीच रश्मिका मंदाना और पद्मावत में अपनी एक्टिंग से सबका दिल जीतने वाले जिम सर्भ का लुक भी कमाल का लग रहा है. धनुष की आने वाली फिल्म कुबेर अनाउंसमेंट के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है. शेखर कम्मुला निर्देशित यह फिल्म 31 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. उसके पहले हाल ही में मेकर्स ने गणेश चतुर्थी के शुभ दिन पर मोस्ट अवेटेड फिल्म का पोस्टर रिलीज किया था. जिसमें धनुष और नागार्जुन अक्किनेनी अलग ही अवतार में नजर आ रहे हैं. दोनों अपोजिट कैरेक्टर में हैं लेकिन दोनों के चेहरे पर ही गंभीरता और निडरता देखी जा सकती है. वहीं रश्मिका और जिम सर्भ का कैरेक्टर भी इंटेंस ही लग रहा है. फैंस को यह झलक काफी पसंद आई है और कमेंट सेक्शन में फैंस ने तारीफों की बाढ़ ला दी है. एक ने लिखा- किंग नागार्जुन, सुपरस्टार धनुष- ब्लाकबस्टर, एक ने लिखा- क्या वीडियो है मन खुश हो गया. एक यूजर ने कमेंट किया- आई लव अक्किनेनी एंड नागार्जुन. फिल्म 31 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी इसमें धनुष, नागार्जुन, रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ ने अहम रोल प्ले किया है. इसमें दिलीप ताहिल भी खास रोल में हैं. शेखर कम्मुला के साथ, फिल्म को एमिगोस क्रिएशन ने प्रोड्यूस किया है वहीं इसका म्यूजिक देवी श्री प्रसाद ने दिया है. इसे शेखर कम्मुला ने निर्देशित किया है.

Bomb Squad Found Hashish Kept in a Bag From Platform

Mritunjay Pandey l BNM

SUGAULI : Local railway police recovered Charas kept in a bag laying abandoned and unclaimed on platform number two late on Monday night. Confirming the matter, railway station in-charge Sharad Kumar Ranjan said that on-duty constable Vinay Kumar informed about a bag lying unclaimed on the platform. On receiving the information, the railway station in-charge and police force reached the platform and checked the bag. Eight packets were found in it. When the police unwrap the packets, the narcotic substance charas was found in them. The police seized the recovered charas. The station in-charge informed that the recovered charas weighed 4 kg 80 grams. On

"This consignment may have been brought to Sugauli from Nepal" SP Rail Vidhya Sagar

getting the hint of police activity on the platform, the charas smuggler fled from the spot. Confirming the matter, Muzaffarpur Railway SP cum Rural SP Vidya Sagar said that the railway passengers informed the railway station Sugauli about a suspicious unclaimed bag on the platform and expressed apprehension that the bag may contain explosives. On receiving the information, Sugauli Railway Station Officer and other officials reached the spot in quickly and called the bomb squad to investigate the suspicious bag. During this, a narcotic substance

charas was found in it. It was brought to the Railway Station and the process was completed by preparing a seizure list in front of BDO cum Magistrate Nutan Kiran. The police have registered an FIR under the NDPS Act against unknown smugglers and are engaged in taking further action. Railway SP Vidha Sagar has expressed apprehension regarding the matter that this consignment must have been brought to Sugauli from Nepal. There must have been a conspiracy to supply it to the carriers of Satyagraha and Mithila Express. He said that a team has been formed under the leadership of Railway DSP Bettiah Umesh Kumar. The team is examining the CCTV cameras installed in the station and its surrounding areas to identify the smugglers. It is worth noting that recently the local police had caught a smuggler with a huge amount of charas from Sargam Cinema Road near the station.

Indira Gandhi's 107th Birth Anniversary Celebrated In Motihari

MOTIHARI@BNM

The 107th birth anniversary of India's first woman Prime Minister and Bharat Ratna awardee late Indira Gandhi was celebrated with great pomp at the District Congress Office located at Banjaria Pandal in the city. This program was organized under the chairmanship of District Congress President E. Shashi Bhushan Rai alias Gappu Rai. Neeraj Thakur alias Pintu, Anil Kumar, Mukesh Kumar, Rajdev Pandey etc. took membership of the party and women were honored by giving bouquets, garlands and angavastra. During the said program, Indira Gandhi's contribution and her immense service were remembered. Congress workers and supporters from across the district attended the event, who appreciated the ideals of Indira Gandhi and the historic decisions taken by her. On this occasion, Mr. Rai discussed the inspirational aspects of Indira Gandhi's life and appealed to everyone to imbibe her vision. In the program, Congress workers paid tribute to her by remembering her contribution.

He said that Indira Gandhi's leadership is still an ideal for the countrymen. In the program, Congress workers paid tribute to Indira Gandhi by honoring her contribution. On this occasion hundreds of people including Shailendra Kumar Shukla, former president, Vijay Shankar Pandey, Akhilesh Prasad alias Bhai Ji, Vijay Kumar Jaiswal alias Munmun Jaiswal, Kiran Kushwaha, Sanjeev Singh alias Tunni Singh, Satyendra Nath Tiwari, Ranjan Sharma, Bittu Yadav, Abid Hussain, Osaidur Rahman, Rahul Sharma, Dr. Adarsh Anand, Ranjeet Pandey, Vijaykant Tripathi, Naseem Akhtar, Rajkumar Kushwaha, Arun Prakash Pandey, Jitendra Yadav, Pritam Agarwal, Ashish Ranjan Singh, Anil Kumar Singh, Rajdev Pandey were present.

World Toilet Day: The Program "Our Toilet - Our Honor" was launched

MOTIHARI@BNM

The meeting of the District Water and Sanitation Committee was held on Tuesday in the auditorium of Dr. Rajendra Prasad Bhawan is located in the Collectorate. District development Commissioner Shambhu Sharan Pandey, who chaired the meeting said that the program 'Hamara Shauchalay Hamara Samman' is being launched to make people aware about need of toilets. The Deputy Development Commissioner said that Hamara Shauchalay Hamara Samman will be run in mission mode in the entire district till December 10, the objective of which is Mission Functionality. It includes individual toilet construction, community toilet construction, repair and beautification. Under this mission, the best toilet construction at the district block and panchayat level will be awarded on December 10. Under this, 3 toilets and two sanitation complexes will be selected from each block. In this, the participating public representatives, sanitation workers, sanitation supervisors and officials will be honored with a certificate. A workshop was also organized on the topic of Hamara Shauchalay Hamara Samman in Dr. Rajendra Prasad Sabha Bhawan, in which sanitation workers and public representatives participated. In this series, in the presence of Deputy Development Commissioner, this mission was started by digging a pit for the construction of toilet at Jeevika Didi's place. Also, Waste Processing Unit (WPU) was inaugurated in Sirsa Panchayat located in Sadar Block. On this occasion, Director DRDA, District Coordinator Lohia Swachh Bihar Abhiyan, District Advisor and Block Coordinator were present along with Deputy Development Commissioner.

Tribute Paid To Dr. Shanti Suman, a prominent signature of Hindi Navgeet

MOTIHARI@BNM

The Postgraduate Hindi Department of Munshi Singh Mahavidyalaya of the city organized a tribute meeting in the memory of Dr. Shanti Suman, the prominent signature of Hindi Navgeet, on Tuesday under the chairmanship of Principal Prof. Mrigendra Kumar. Dr. Shanti Suman, who embellished Maithili and Hindi literature with her songs, breathed her last in Jamshedpur last Saturday at the age of 80. Apart from being a litterateur, she also made a significant contribution in the academic field. She taught for a long time at Mahant Darshan Das Mahila Mahavidyalaya, Muzaffarpur and was living in Jamshedpur after retirement from the post of President. Former Vice Chancellor of BRA Bihar University and renowned litterateur Prof. Ravindra Kumar Verma 'Ravi' was also present on the occasion, who shared the memories of Dr. Shanti Suman and underlined her important intervention in the field of Hindi literature. He shared memories related to Dr. Shanti Suman and paid emotional tribute to her.

Principal of Munshi Singh Mahavidyalaya Prof. Mrigendra Kumar also paid his humble tribute to Dr. Shanti Suman and expressed his views on her literary contribution. The Principal shared his memories from which the multifaceted personality of Dr. Shanti Suman can be understood. Dr. Alok Kumar Pandey, Head of the Hindi Department, also paid his tribute to poetess Dr. Shanti Suman by remembering her in the development of Hindi Navgeet. Dr. Manohar Kumar Srivastava and Dr. Gaurav Bharti of the Hindi Department also expressed their views on the importance of Dr. Shanti Suman in the field of Hindi literature and Navgeet and paid their humble tribute to her.

During this, a two-minute silence was observed in the presence of the students of the department and a heartfelt tribute was paid to Dr. Shanti Suman. This information has been given by Dr. Gaurav Bharti, Media Incharge of Munshi Singh College.

Badlapur rape accused's mother reaches High Court, defamation case against Eknath Shinde

Thane: The mother of accused Akshay Shinde, who was killed in an encounter after his arrest in the case of rape and murder of minors in Badlapur of Thane district in Maharashtra, has reached the Bombay High Court. Alka Anna Shinde has filed a defamation complaint against Maharashtra Chief Minister Eknath Shinde and Deputy Chief Minister Devendra Fadnavis, besides several other politicians and media houses. The accused's mother has filed a petition in the court seeking unconditional apology and compensation worth crores of rupees. In her petition, she said that her son's encounter was done to gain political advantage in the assembly elections, which was supported by politicians. In the petition, the mother of the accused said that Akshay Shinde was a political victim and because of this, his whole family had to face opposition from the society. She alleged that some politicians called her son a demon, due to which there

were problems even in his funeral. Alka said in the petition that after her son's arrest, when his picture was shown in the media, she was boycotted in the society. She was thrown out of the house and her means of livelihood was lost. She is not getting work due to the defamation and is forced to beg. The petitioner told that her husband is staying at the railway and bus station, while the petitioner is doing cleaning work. Alka Shinde has filed a criminal defamation and civil defamation suit in both the magistrate court and the high court through her lawyer Katranware. She has sought an unconditional apology and Rs 300 crore in damages from politicians and media houses. She has mentioned her abode as a bus stop near Kalyan railway station in the petition. She said in the petition that politicians have weakened the judicial system by supporting encounters. Investigation confirmed that 23-year-old sweeper Akshay Shinde sexually abused two 3-4 year old girls at Adarsh School in Badlapur, Maharashtra. After a lot of protests in the case, the police arrested the accused on 16 August. Meanwhile, on 23 September, the police was taking Shinde from Taloja jail to Badlapur for interrogation. Police say that the accused snatched the pistol and fired, after which Shinde was killed in retaliation.

Air in Delhi is not fit for breathing, air pollution level recorded in very severe category

New Delhi- The air in Delhi is no longer breathable. The level of air pollution has worsened and reached the very severe category. Its effect was also seen on Tuesday. On Tuesday morning, thick fog was seen in Delhi and surrounding areas, which affected visibility. During this time, the overall air quality index (AQI) also reached 494, which is in the very severe category. In most of the 35 monitoring stations in Delhi, AQI was recorded above 500. According to the Central Pollution Control Board, AQI has been recorded above 500 in many areas including Anand Vihar, Ashok Vihar, Jahangirpuri and Major Dhyanchand Stadium, Jawaharlal Nehru Stadium, Mundka, Rohini, Punjabi Bagh, Delhi University, Wazirpur, RK Puram. Apart from Delhi, the level of air pollution has reached very poor category in Gurugram, Noida, Faridabad, Ghaziabad. Here too thick fog was seen in the morning. In view of pollution, schools in Delhi and surrounding areas have been closed. Now only online classes will be conducted in schools. Delhi University has also decided to conduct online classes till November 23 and Jawaharlal Nehru University till November 22. There has also been a change in the working hours of government offices in Delhi. Municipal offices will open at 8:30 am and Delhi government offices will open at 10 am. In the fourth phase of restrictions of the Graded Response Action Plan (GRAP) in Delhi, there will be a complete ban on the entry of BS-3 petrol vehicles and BS-4 diesel vehicles in Delhi-NCR except for essential services. These also include vehicles registered in other states. All construction activities including highways, roads, flyovers, power lines, pipelines and other public projects will be banned. Entry of light commercial vehicles registered outside Delhi will also be banned and restrictions of GRAP-3 will continue. While hearing on the rising pollution in Delhi-NCR on Monday, the Supreme Court reprimanded the Air Quality Management Commission for the delay in implementing the restrictions of Graph-4 even after the AQI reached a very critical level.0

Fake Bengali Chandsi clinic sealed and FIR registered

Raxaul Sub-Divisional Officer (SDO) and Block Development Officer (BDO) Adapur and PHC in-charge Adapur sealed three illegal clinics located in Adapur market and registered an FIR against two persons. All these three illegal clinics were being run as illegal dental treatment houses in the name of Bengali Chandsi Clinic. In which other types of treatments and medicines were also being sold. An FIR was registered in Adapur police station against two persons who claimed to be doctors - Nimai Kumar Mandal (NK Mandal) and Varun Kumar. Ramesh Kumar Vishwas, who claimed to be a doctor, showed some graduation related documents during the investigation but said that he was not registered. For this purpose, his shop was also sealed and a notice was issued by the PHC in-charge to submit all the documents for investigation.

Voting for Maharashtra and Jharkhand assembly elections tomorrow, preparations complete, polling parties leave

New Delhi-Apart from the Maharashtra and Jharkhand assembly elections, voting will also be held for by-elections tomorrow i.e. Wednesday, November 20. Polling parties have started leaving for their respective polling stations for voting. Let us tell you that voting is to be held tomorrow for all 288 seats of Maharashtra and 38 seats of Jharkhand. Earlier, voting has been done for 43 seats of Jharkhand on November 13. At the same time, voting will also be held tomorrow for the assembly by-election in Uttar Pradesh. Voting will be held on Wednesday on 9 seats in UP. While the counting of votes in all the states will be done on November 23 (Saturday). Let us tell you that this time the Election Commission had announced to conduct assembly elections in Maharashtra in a single phase, while voting was announced in two phases in Jharkhand, voting for the first phase was held on November 13. On the same day, votes were also cast for by-elections in 11 states. Which also included Wayanad Lok Sabha seat of Kerala. From where Congress General Secretary Priyanka Gandhi has contested elections for the first time. By-elections were also to be held in UP, Uttarakhand, Punjab and Kerala on November 13, but the Election Commission changed the date of voting here to November 20. In the second phase of Jharkhand elections, the political fate of many bigwigs including the Chief Minister of the state Hemant Soren will be decided tomorrow. The fate of Speaker Rabindranath Mahto, former Chief Minister Babulal Marandi, former Deputy Chief Minister Sudesh Mahto, current ministers Irfan Ansari, Hafizul Hasan, Deepika Pandey Singh, Baby Devi will also be decided in the EVM tomorrow. In the second phase of Jharkhand elections, there will be a direct contest between BJP and JMM on 17 seats including Jarmundi, Mahagama, Poraiyahat. Let us tell you that apart from Uttar Pradesh, by-elections are also to be held in Uttarakhand, Punjab and Kerala on November 20. The nine assembly seats of Uttar Pradesh where voting will be held for by-elections tomorrow include Ghaziabad, Khair of Aligarh, Phulpur of Prayagraj, Majhawan, Meerapur, Katehari, Sisamau, Kundarki of Moradabad and Karhal seat of Mainpuri. Along with this, voting will also be held tomorrow in Dera Babak Nanak, Chhabbewal, Gidderbaha and Barnala assembly seats of Punjab. While voting will also be held tomorrow in Palakkad seat of Kerala and Kedarnath seat of Uttarakhand. Voting will also be held on Wednesday for Nanded Lok Sabha seat of Maharashtra